वर्ष : 34 | अंक : 341 | मुंबई, मंगलवार, 17 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महिला शक्ति और अन्य महत्वपूर्ण आंकड़े

इस चुनावी रिपोर्ट का सबसे उज्ज्वल पक्ष महिला प्रतिनिधित्व रहा है। बीएमसी सदन में इस बार 60% महिला पार्षद चुनकर आई हैं। यह न केवल संवैधानिक आरक्षण का प्रभाव है, बल्कि मुंबई की राजनीति में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता और स्वीकार्यता का भी प्रतीक है। इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं का सदन में होना शहर के विकास और सामाजिक मुद्दों पर नई दृष्टि प्रदान करने की क्षमता रखता है। पार्षदों की शैक्षणिक योग्यता और आयु के मोर्चे पर रिपोर्ट संतुलित परिणाम दिखाती है। लगभग 50% विजेताओं के पास स्नातक (Graduate) या उससे उच्च शिक्षा की डिग्री है। वहीं, 70% पार्षदों की आयु 41 से 70 वर्ष के बीच है।

सबसे अधिक संपत्ति वाले विजेता उम्मीदवार

सबसे अधिक संपत्ति घोषित करने वाले तीन विजेता उम्मीदवारों में पहले स्थान पर बीजेपी के नरवेकर सुरेश हैं, जिन्होंने वार्ड 226 से जीत दर्ज की और अपनी कुल संपत्ति 124 करोड़ घोषित की है, जिससे वे सबसे अमीर विजेता बने। उनके बाद बीजेपी के शर्मा चंदन त्रिरंजन का स्थान है, जिन्होंने 84 करोड़ से अधिक की संपत्ति घोषित की है। आंकड़ों के अनुसार लगभग हर चौथे विजेता उम्मीदवार ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी भी हलफनामे में दी है। वहीं वार्ड नंबर 133 से शिवसेना के उम्मीदवार कानडे निर्मिति बिभीषण सबसे कम संपत्ति घोषित करने वाले विजेता रहे, जिन्होंने अपने शपथ पत्र में मात्र 54 हजार की संपत्ति दर्शाई है।

बीएमसी में धनबल और बाहुबल

एडीआर और महाराष्ट्र इलेक्शन वॉच ने जारी किया 'माननीयों' का रिपोर्ट कार्ड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (BMC) के चुनावी परिणामों के बाद 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (ADR) और महाराष्ट्र इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट ने बीएमसी के स्वरूप को उजागर कर दिया है। देश की सबसे धनी नगर निकाय में पहुँचने वाले जनप्रतिनिधियों के विश्लेषण से पता चलता है कि सदन में इस बार भारी वित्तीय संपन्नता और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों का प्रभाव बढ़ा है। यह रिपोर्ट चुनावी हलफनामों के गहन अध्ययन के बाद जारी की गई है।

80% करोड़पति और 24% पर आपराधिक मामले

बाहुबल : हर चौथा पार्षद आपराधिक पृष्ठभूमि वाला

रिपोर्ट के अनुसार, सदन की लोकतांत्रिक मर्यादा के बीच बाहुबल का असर साफ दिखाई दे रहा है। सभी 227 विजयी उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण से पता चला है कि लगभग 24% (54 विजेता) पार्षदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 13% (29 उम्मीदवार) ऐसे हैं, जिन पर 'गंभीर' श्रेणी के अपराधों के आरोप हैं। यह आँकड़ा स्थानीय प्रशासन में स्वच्छ छवि वाले नेतृत्व की आवश्यकता पर सवाल खड़े करता है।

भाजपा के सर्वाधिक 33% विजयी उम्मीदवारों पर केस दर्ज

आपराधिक मामलों के पार्टीवार आंकड़ों को देखें तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सर्वाधिक 33% विजेताओं पर केस दर्ज हैं। वहीं, शिवसेना के 24% और शिवसेना (UBT) के 15% विजयी उम्मीदवारों ने अपने चुनावी हलफनामों में आपराधिक मामलों की घोषणा की है। यह दर्शाता है कि लगभग सभी राजनीतिक दलों ने उम्मीदवारों के चयन में 'विनेबिलिटी' (जीतने की क्षमता) को आपराधिक छवि से अधिक महत्व दिया है।

धनबल: करोड़पतियों से भरी बीएमसी

मुंबई महानगरपालिका में इस बार 'अमीरों' का बोलबाला रहने वाला है। रिपोर्ट के अनुसार, 227 में से 180 विजेता (79%) करोड़पति हैं। यानी हर 10 में से 8 पार्षद करोड़पति हैं। अगर औसत संपत्ति की बात करें, तो जीतने वाले उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 7.18 करोड़ रुपये आंकी गई है।

किस पार्टी में कितने करोड़पति?

पार्टीवार वित्तीय स्थिति देखें तो लगभग सभी प्रमुख दलों ने धनवान उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। शिवसेना में 93 प्रतिशत, कांग्रेस में 92 प्रतिशत, शिवसेना (यूबीटी) में 83 प्रतिशत, भाजपा में 76 प्रतिशत पार्षद करोड़पति हैं।

अजब सिस्टम की गजब कहानी

अजित पवार के निधन के बाद 75 संस्थानों को फर्जी दस्तखत से अल्पसंख्यक दर्जा की मंजूरी

चौतरफा विरोध पर सीएम देवेंद्र ने लगाई रोक, उच्च स्तरीय जांच का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और एनसीपी (एपी) के प्रमुख अजित दादा पवार के विमान हादसे में साजिश की गुत्थी अब तक सुलझी नहीं है कि अब उनके मंत्रालय में उनके फर्जी हस्ताक्षर से 75 फाइलों को मंजूरी देने का मामला भी उजागर हो गया है। इस वजह से अब उनका पूरा मंत्रालय संदेह के घेरे में आ गया है। सवाल उठ रहे हैं कि उनके निधन के बाद किन-किन महत्वपूर्ण फाइलों के साथ छेड़छाड़ किए गए हैं। फिलहाल विपक्ष के विरोध के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन 75 फाइलों पर रोक लगा दी है जिसे अजित दादा के निधन के बाद उनके फर्जी मंजूरी दी गई है। ये 75 फाइलें अल्पसंख्यक विकास विभाग की हैं और इस विभाग का मंत्रालय अजित दादा के पास था।

छह महीने से विचाराधीन थीं फाइलें

इन शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक दर्जा देने की प्रक्रिया अगस्त 2025 से ही स्थगित थी। खबरों के अनुसार, इन संस्थानों के प्रमाण पत्रों को पहले मंत्री माणिकराव कोकाटे, मंत्री दत्तात्रय भरणे और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने रोक रखा था। अजीत पवार के निधन के बाद इन फाइलों को अचानक मंजूरी दे दी गई।

विपक्ष ने साधा सरकार पर निशाना

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सवाल खड़ा किया है कि राजकीय अवकाश के दिन आखिरकार किसके इशारे पर इतना बड़ा घोटाला किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इसके जवाबदेह हैं। इस घटना की जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए।

सीएम फडणवीस का सख्त रुख

मामला सामने आने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वितरित किए गए सभी 75 अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाण पत्रों पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया इसके साथ ही उन्होंने एक वरिष्ठ अधिकारी से पूरे प्रकरण की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सुनेत्रा पवार का सख्त रुख

उपमुख्यमंत्री और अल्पसंख्यक विकास मंत्री सुनेत्रा अजीत पवार ने शुक्रवार को विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने स्कूलों को गलत ढंग से अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाण पत्र वितरित किए जाने की विस्तृत जांच करके दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजीत के दिखाए रास्ते के अनुसार विभाग का कामकाज होना चाहिए।

चार दिनों में 75 स्कूलों को प्रमाण पत्र

28 जनवरी की सुबह में 8 बजकर 46 मिनट पर बारामती में विमान हादसे में अजित पवार सहित 5 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने तीन दिनों का राजकीय शोक जाहिर किया था। लेकिन अजित दादा के मंत्रालय के अल्पसंख्यक विकास विभाग ने 20 संस्थाओं के 75 स्कूलों को अल्पसंख्यक दर्जा का प्रमाणपत्र जारी कर दिया। मजेदार बात यह है कि इन फाइलों पर अजित दादा के निधन के बाद उनके डिजिटल हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार ने 28, 29, 30 जनवरी और 2 फरवरी को कुल 75 शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान किया। इनमें से कुछ प्रमाण पत्र कार्यालयीन समय समाप्त होने के बाद शाम 6:45 और 6:58 बजे भी जारी किए गए। 1 फरवरी रविवार होने की वजह से कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ। 29 जनवरी को अकेले पोदार इंटरनेशनल स्कूल की 25 शाखाओं को अल्पसंख्यक दर्जा दिया गया। इसी तरह सेंट जेवियर्स संस्था की 5 स्कूलों को भी अल्पसंख्यक का दर्जा मिला। स्वामी शांति प्रकाश और देवप्रकाश संस्था की 4 स्कूलों को भी प्रमाण पत्र दिए गए। इसके अलावा श्री माता कन्यका सेवा संस्था और सेवादास महाराज शिक्षण प्रसारक मंडल, यवतमाल सहित कई अन्य संस्थाओं को भी यह दर्जा प्रदान किया गया।

रोहित शेट्टी गोलीबारी मामला

मुख्य शूटर 6 साथियों सहित गिरफ्तार

रंगदारी वसूलने के इरादे से की गई थी गोलीबारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर 31 जनवरी की रात हुई अंधाधुंध फायरिंग के मामले में मुख्य शूटर और उसके छह साथियों को यूपी एसटीएफ और मुंबई पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया। आरोपियों का संबंध शुभम लोनकर गिरोह से बताया जा रहा है और यह वारदात रंगदारी वसूलने के इरादे से की गई थी। मुख्य आरोपी दीपक और उसके साथी सनी, सोनू, ऋतिक को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया गया। वहीं, विष्णु कुशवाहा को आगरा से और जतिन भारद्वाज तथा विशाल को नोएडा और साहिबाबाद, गाजियाबाद से पकड़ा गया। सभी आरोपियों ने पूछताछ में वारदात कबूल की है।

एसटीएफ और मुंबई पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन

मुंबई पुलिस ने मामले में यूपी एसटीएफ की मदद ली थी। एसटीएफ की आगरा यूनिट ने मुंबई पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों का पता लगाया और 15 फरवरी को गिरफ्तारी की कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों को मुंबई कोर्ट में पेश किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर रवाना किया गया।

साजिश का खुलासा

पूछताछ में दीपक ने बताया कि विष्णु कुशवाहा का संपर्क राजस्थान के गोलू पंडित से था, जिसने पहले भी लोनकर गिरोह के लिए पांच करोड़ रुपये की रंगदारी वसूल की थी। दीपक ने बताया कि उसने गिरोह के सोशल मीडिया पोस्ट देखकर इस आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का निर्णय लिया और विष्णु के जरिए लोनकर गिरोह से संपर्क किया।

ब्रीफ न्यूज़

देश में बढ़ी बेरोजगारी दर, 5% हुई

नई दिल्ली। देश में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों में बेरोजगारी दर जनवरी 2026 में बढ़कर 5% हो गई है। यह दिसंबर 2025 में 4.8% थी। नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस ने पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे में इसकी जानकारी दी। ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर 3.9% से बढ़कर 4.2% और शहरी क्षेत्रों में 6.7% से बढ़कर 7.0% हो गई। मंत्रालय के अनुसार, सर्दियों में निर्माण, कृषि और छोटे व्यापार में सुस्ती तथा फसल कटाई के बाद काम में कमी इसके प्रमुख कारण रहे। श्रम भागीदारी दर जनवरी में 55.9% रही, जो दिसंबर में 56.1% थी। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मामूली बदलाव दर्ज किया गया। यह सर्वे 3.73 लाख से अधिक लोगों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है और देश में रोजगार की स्थिति का प्रमुख आधिकारिक स्रोत माना जाता है।

दिसंबर से शुरू होगी वॉटर मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र के बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने घोषणा की है कि मुंबई और एमएमआर क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करने के लिए बहुप्रतीक्षित मुंबई वॉटर मेट्रो परियोजना को दिसंबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। कोच्चि मॉडल पर आधारित 1,200 करोड़ की इस योजना की विस्तृत रिपोर्ट (DPR) 28 फरवरी तक प्रस्तुत कर दी जाएगी, जिसके तहत नरीमन पॉइंट, वर्ली, बांद्रा और वर्सोवा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को बैटरी चालित इलेक्ट्रिक नावों के नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण लाभ दक्षिण मुंबई के रेडियो क्लब जेट्टी से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक की दूरी का महज 40 मिनट में तय होना होगा।

स्थायी समिति के सदस्यों की हुई घोषणा

शिंदे से ज्यादा ठाकरे गुट के पार्षद हुए शामिल

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के बाद सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली स्थायी समिति, शिक्षा समिति और सुधार समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा कर दी गई है। महापौर रितु तावड़े ने इन समितियों में शामिल सदस्यों के नामों का ऐलान किया। इसके अनुसार स्थायी समिति और सुधार समिति में 26-26 सदस्यों का चयन किया गया है, जबकि शिक्षा समिति में 22 सदस्यों का चयन हुआ है।

स्थायी समिति के सदस्य

मुंबई महानगरपालिका की सबसे शक्तिशाली स्थायी समिति में भारतीय जनता पार्टी (BJP) के 10 सदस्य (गणेश दताराम खणकर, प्रभाकर शिंदे, राखी जाधव, मकरंद नार्वेकर, सुरेश झा, शीतल गंभीर, प्रकाश दरेकर, प्रीति सातम, तेजेंद्र सिंह तेजा, हरीश बांगिर्डे), शिवसेना – उद्धव ठाकरे गुट के 7 सदस्य (श्रद्धा जाधव, रमाकांत रहाटे, लक्ष्मी भाटिया, दीपमाला बडे, मीनाक्षी पाटणकर, यशोधर फणसे, जगदीश), शिवसेना – एकनाथ शिंदे गुट के 4 सदस्य (अमेय गोले, यामिनी जाधव, अंजली नाईक, शहीदा खान – NCP), कांग्रेस के 3 सदस्य (अजंता यादव, अशरफ आजमी, ट्यूलिप मिरांडा), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के यशवंत किल्लेदार और एआईएमआईएम (AIMIM) के विजय उबाले सहित कुल 26 पार्षदों को महापौर रितु तावड़े ने आधिकारिक तौर पर नियुक्त किया है।

सुधार समिति के सदस्य

मुंबई महानगरपालिका की सुधार समिति के लिए भारतीय जनता पार्टी (BJP) के 10 सदस्य (प्रकाश गंगाधरे, अलका केरकर, शर्मा चितरंजन, महादेव शिवगण, दीपक तावडे, स्वप्ना म्हात्रे, अनीश मखवाणी, तेजस्वी घोसालकर, साक्षी दलवी और संदीप पटेल), शिवसेना – उद्धव ठाकरे गुट के 7 सदस्य (मिलिंद वैद्य, विशाखा राऊत, विठ्ठल लोकरे, सचिन पडवल, उर्मिला पानचाल, हिरालाल और लोणा रावल), शिवसेना – एकनाथ शिंदे गुट के 4 सदस्य (अमेय घोले, संध्या दोषी, किरण लांडगे और अजित रावराणे), कांग्रेस के 3 सदस्य (अशरफ आजमी, खान मिरज और हैदर मोसीन), एआईएमएमआईए (AIMIM) की शवाना शेख और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) की सुप्रिया दलवी सहित कुल 26 पार्षदों को आधिकारिक तौर पर नियुक्त किया गया है।

बेस्ट परिवहन समिति सदस्य

मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली 'बेस्ट' परिवहन समिति के लिए भारतीय जनता पार्टी (BJP) की ओर से 5 सदस्य (आकाश राजपुरोहित, संतोष मेडेकर, रमाकांत गुप्ता, सुनील गणाचार्य और प्रमोद वाकोडे), शिवसेना (ठाकरे गुट) की ओर से 4 सदस्य (प्रविणा मोरोजकर, सुनील, नितीन नादगावकर और सुमित अहिर), शिवसेना (शिंदे गुट) के उपेंद्र सावंत, कांग्रेस के 2 सदस्य (आशा कोपरकर और चंद्रकांत भीमराव मजलीकर) तथा एआईएमआईएम (AIMIM) के सैफल खान को आधिकारिक तौर पर सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति मुंबई में बस परिवहन और विद्युत आपूर्ति से जुड़ी नीतियों और वित्तीय प्रस्तावों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेगी।

अहमदाबाद-वडोदरा के 34 स्कूलों को बम की धमकी

वडोदरा। गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा शहर के कुल 34 स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले। इनमें अहमदाबाद के 17 और वडोदरा के 17 स्कूल शामिल थे। धमकी मिलने के बाद तुरंत स्कूल खाली कराए गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। बाद में यह धमकी फर्जी (होक्स) निकली। मामले में अहमदाबाद के डीसीपी (एसओजी) राहुल त्रिपाठी ने कहा कि बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और पुलिस टीमों ने सभी स्कूलों की अच्छी तरह जांच की, लेकिन कुछ भी खतरनाक नहीं मिला। वडोदरा के डीसीपी (क्राइम) हिमांशु वर्मा ने बताया कि ईमेल में खालिस्तान के समर्थन का जिक्र था और तय समय पर धमाके की धमकी दी गई थी। वर्मा ने आगे बताया कि यह एक सामान्य ईमेल था, जो शहर के कई स्कूलों को भेजा गया था।

भूख हड़ताल पर बैठे जेजे अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई। मुंबई के जेजे अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, यह हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के कारण अस्पताल में मरीजों की समस्याएँ बढ़ गई हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि बार-बार फॉलो-अप करने के बावजूद प्रशासन की तरफ से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। लगभग 200 रेजिडेंट डॉक्टरों ने मिलकर यह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है। मार्ड के जनरल सेक्रेटरी ऋषिकेश शिंदे ने कहा कि जब तक अस्पताल प्रबंधन लिखित भरोसा और ठोस कार्यवाही नहीं करता, हड़ताल जारी रहेगी।

कई तय सर्जरी करनी पड़ी स्थगित

रेजिडेंट डॉक्टर किसी भी सरकारी अस्पताल की रीढ़ होते हैं। ओपीडी, वार्ड सुपरविज़न और इमरजेंसी सर्जरी में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जेजे अस्पताल में उनकी हड़ताल के कारण मरीजों की कतारें लंबी हो गई हैं और कई तय सर्जरी स्थगित करनी पड़ी हैं।

डॉक्टरों के आरोप

रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन रोजाना के कामकाज में लगातार दखल दे रहा है और यूनियन के अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है। हॉस्टल की स्थिति खराब है और साफ पेयजल और सफाई जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं की जा रही हैं। इसके अलावा सुरक्षा सिस्टम का ठीक न होना और सैलरी तथा स्टाइपेंड का बकाया भी बड़ी समस्या बनी हुई है।

अस्पताल प्रबंधन की प्रतिक्रिया

अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि मरीजों को परेशानी न हो, इसलिए वरिष्ठ डॉक्टरों को ड्यूटी पर रहने का निर्देश दिया गया है।

बकाया भुगतान पर जोर

डॉक्टरों ने मांग की है कि अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए और रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमले रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। साथ ही बकाया सैलरी और स्टाइपेंड समय पर भुगतान किए जाएं। हड़ताल उनके अधिकारों की रक्षा और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए की जा रही है।

एआई इम्पैक्ट समिट | सख्त कानून से क्रिएट इन इंडिया मिशन तक

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताई एआई पर सरकार की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर साफ संकेत दिया है कि देश तेज तकनीकी अपनाने के साथ मजबूत कानूनी और तकनीकी सुरक्षा ढांचा भी बनाएगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एआई का विस्तार क्रिएटिव इकोनॉमी को मजबूत करे, लेकिन इससे कॉपीराइट, रोजगार और संस्थागत भरोसे को नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव रचनात्मकता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक आधिकारिक कार्यक्रम में मोशन पिक्चर एसोसिएशन के चेयरमैन चार्ल्स रिवकिन के साथ बातचीत में वैष्णव ने कहा कि भारत टेक्नो-लीगल फ्रेमवर्क अपनाएगा।

नियम नहीं, तकनीकी सुरक्षा भी क्यों जरूरी?

वैष्णव ने कहा कि पारंपरिक रेगुलेशन अकेले काफी नहीं होगा। एआई के लिए ऐसे सिस्टम चाहिए जिनमें कानूनी प्रावधान और तकनीकी कंट्रोल साथ काम करें। इससे लेखन, मालिकाना हक, भुगतान और जवाबदेही जैसे मुद्दों को बेहतर तरीके से संभाला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार जिम्मेदार एआई लागू करने की दिशा में काम कर रही है ताकि जोखिम कम और फायदा ज्यादा हो।

कॉपीराइट के टकराव पर क्या बोले मंत्री?

मंत्री ने कहा कि एआई मॉडल बड़ी मात्रा में सार्वजनिक और कॉपीराइट सामग्री पर ट्रेन होते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या मौजूदा सिस्टम क्रिएटर्स को सही इनाम दे रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि नए गार्डरेल बनाने होंगे ताकि इनोवेशन भी बढ़े और आईपी की रक्षा भी हो। उनके मुताबिक साधारण नियम बना देने से समस्या हल नहीं होगी। इसके लिए सहमति, नई तकनीक और संयुक्त व्यवस्था की जरूरत है।

न्यूज़ ब्रीफ

शिव जयंती की तैयारियों और किले के संरक्षण को लेकर समीक्षा बैठक

भाईंदर: छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर 19 फरवरी को आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए मीरा-भाईंदर महानगरपालिका में बैठक आयोजित की गई। महापौर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में किले के संरक्षण और शिव जयंती के आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, भाजपा गटनेता हसमुख गहलोत, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। घोड़बंदर किला एक राज्य संरक्षित ऐतिहासिक धरोहर है। जून 2019 से जून 2024 तक मनपा और पुरातत्व विभाग के बीच पांच वर्षीय समझौता हुआ था, जिसमें किले की मरम्मत, सुरक्षा और पर्यटन सुविधाओं पर लगभग 20 करोड़ खर्च किए गए। वर्तमान में अगले 10 वर्षों के विस्तार का प्रस्ताव पुरातत्व विभाग को भेजा गया है, लेकिन अनुमति लंबित होने के कारण विद्युत व्यवस्था और अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। महापौर डिंपल मेहता ने निर्देश दिए कि शिव जयंती के अवसर पर किले के परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए और भव्य लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किला शहर की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है और यहाँ गरिमामय कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। मनपा प्रशासन ने बैठक में आश्वासन दिया कि पुरातत्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर नियमों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएंगी।

अकोला रेलवे स्टेशन पर 'रुद्र हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' शिविर संपन्न

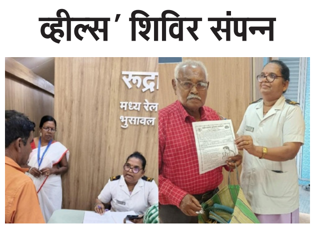

अकोला। रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 14 फरवरी 2026 को अकोला रेलवे स्टेशन पर 'रुद्र – हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' पहल के तहत एक विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में कार्यरत रेलकर्मियों और उनके परिवारों को उनके कार्यस्थल या निवास के समीप ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इस मोबाइल हॉस्पिटल सेवा से कर्मचारियों को अब सामान्य या विशेषज्ञ उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर लंबी यात्रा करने की मजबूरी से राहत मिली है। इस शिविर में भुसावल मंडल के अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएँ दीं, जिसमें फिजिशियन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ और शल्य चिकित्सक शामिल थे। शिविर के दौरान कुल 111 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जाँच के साथ-साथ मरीजों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएँ भी वितरित की गईं। इसके अलावा, शिविर स्थल पर ही आधुनिक प्रयोगशाला जाँच और ईसीजी (ECG) जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान की गईं, जिससे कर्मचारियों को अपनी सेहत का सटीक विवरण तुरंत प्राप्त हो सका।

मियावाकी वन में सफाई अभियान शुरू

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

डीबीडी खबर का असर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका ने डीबीडी में छपी खबर का संज्ञान लेते हुए आरक्षण क्रमांक 230 में बने मियावाकी वन को कचरा मुक्त करने का अभियान चलाया। इस सफाई अभियान से परिसर के वातावरण में सुधार होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। लंबे समय बाद वन में खड़े वृक्ष खुशी से लहलहा उठे हैं।

दो से तीन दिनों में पूरी साफ-सफाई हो जाएगी: सहायक आयुक्त

योगेश गुणीजन (सहायक आयुक्त, पर्यावरण) ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने वन की साफ-सफाई शुरू कर दी है। दो से तीन दिनों में पूरी साफ-सफाई हो जाएगी। आगे उन्होंने शहर के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण के प्रति नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और स्वच्छ शहर की मुहिम में प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। शीघ्र ही अधूरी सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य भी पूर्ण किया जाएगा।

पूरा मामला समझें

ज्ञात हो कि शहर में वायु प्रदूषण कम करने, मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने और जैव विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से तीन स्थानों पर मियावाकी जंगल विकसित किए गए हैं। मीरा रोड के इंद्रलोक फेज-3 स्थित आरक्षण क्रमांक 230 में 5 मार्च 2022 को तत्कालीन मनपा आयुक्त/प्रशासक दिलीप ढोले द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था। 'ग्रीन यात्रा' नामक सामाजिक संस्था के सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया था। लगभग 28,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले इस वन में 55 से अधिक प्रजातियों के 10,500 पौधे आज वृक्ष का रूप ले चुके हैं और यहां पक्षियों का बसेरा भी है। इसके बावजूद वन संरक्षण में लापरवाही के चलते चारों ओर बनाई जाने वाली सुरक्षा दीवार अधूरी रह गई। परिणामस्वरूप वन परिसर कूड़ा-करकट फेंकने का स्थान बन गया। हालात ऐसे हो गए कि स्वच्छ हवा देने के बजाय बदबू फैलने लगी। इस गंभीर मुद्दे को डीबीडी ने प्रमुखता से पहली बार 13 फ़रवरी को प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद अब मीरा-भाईंदर महानगरपालिका ने आरक्षण क्रमांक 230 स्थित मियावाकी वन को कचरा मुक्त करने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है।हालांकि अब शुरू किए गए सफाई अभियान से परिसर के वातावरण में सुधार की उम्मीद जगी है। लंबे समय बाद वन क्षेत्र में साफ-सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन अभी भी व्यापक स्तर पर डीप क्लीन अभियान की आवश्यकता बनी हुई है।

ठाणे में हेलमेट नहीं तो खैर नहीं

▶▶ बाइक चालकों पर होगी कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र में 2025 में कुल 36,450 सड़क हादसे दर्ज किए गए, जिनमें 15,549 लोगों की मौत हुई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इनमें से 57 प्रतिशत मौतें टू-व्हीलर (दुपहिया वाहन) चालकों और 21 प्रतिशत पैदल चलने वालों की हुईं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, साल 2026 को 'टू-व्हीलर और पैदल यात्री बचाव मिशन' घोषित किया गया है। ठाणे शहर में इसे सख्ती से लागू करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

ठाणे में सख्त ट्रैफिक नियम लागू

राज्य में बढ़ते हादसों के बीच ठाणे शहर में ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर खास ध्यान दिया जाएगा। स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर विवेक भीमनवार के आदेश के अनुसार हेलमेट पहनना और पैदल यात्री सुरक्षा के नियम सख्ती से लागू किए जाएंगे।

पैदल चलने वालों की सुरक्षा पर ध्यान

ठाणे में पैदल चलने वालों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज़ेब्रा क्रॉसिंग, सुरक्षित फुटपाथ, सड़क पार करने के लिए लाइटिंग और अन्य सुविधाओं को सुधारने पर जोर दिया जाएगा। संबंधित विभागों के साथ मिलकर ब्लैक स्पॉट पर तुरंत सुधार किए जाएंगे। 1 जनवरी 2026 से प्रत्येक एक्सीडेंट की FIR की जांच और पूरी एनालिसिस की जाएगी। मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को एक्सीडेंट की असली वजह का पता लगाने और बचाव के उपाय सुझाने की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले तीन वर्षों के एक्सीडेंट वाले इलाकों का मैप तैयार किया जाएगा और उन जगहों पर खास निगरानी रखी जाएगी जहां लगातार हादसे होते हैं।

महाशिवरात्रि पर सहजयोग शिविर का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के कैलाश कॉलोनी रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर क्षेत्र में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर एक विशेष सहजयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी के आशीर्वाद से आयोजित इस शिविर में श्रद्धालुओं को कुंडलिनी शक्ति के जागरण और आत्मसाक्षात्कार का अनूठा अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। 15 फरवरी 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक चले इस 12 घंटे के अखंड कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया और योग के माध्यम से आंतरिक शांति एवं परम चैतन्य की अनुभूति की।इस कार्यक्रम की सफलता में उल्हासनगर सहजयोग परिवार का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने सामूहिक प्रयासों से इस आध्यात्मिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाया। कार्यक्रम के दौरान सहजयोग विशेषज्ञों ने आगंतुकों को आत्मसाक्षात्कार की सरल विधि और इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से सहजयोगी विद्येश झाडे, राधा तोमर, राजेश टाक, दीपक सावंत, अतुल भोई और नंदलाल सभागनी सहित कई अन्य सेवादारों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस आध्यात्मिक यात्रा का लाभ उठाया।

ठाणे ट्रैफिक पुलिस के जज्बे को सलाम

ट्रैफिक पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल के मरीज की बचाई जान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वैलेंटाइन डे पर ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए कुछ ही मिनटों में 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाकर एक ब्रेन-डेड मरीज़ का दिल सुरक्षित रूप से मुंबई पहुंचाया। यह दिल शाम 5:55 बजे ठाणे के जुपिटर हॉस्पिटल से मुंबई के सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज के लिए रवाना किया गया।

समय से तेज दौड़ी पुलिस

ठाणे से मुंबई की कुल दूरी लगभग 35 .07 किमी है। ठाणे सीमा के भीतर जुपिटर हॉस्पिटल से आनंदनगर टोल प्लाजा तक 6 .01 किमी का रास्ता तय करने के लिए 14 मिनट निर्धारित किए गए थे, लेकिन सटीक योजना और मुस्तैदी के चलते ट्रैफिक पुलिस ने यह दूरी महज 8 मिनट में पूरी कर ली और वाहन को समय पर मुंबई सीमा में पहुंचा दिया।

वैलेंटाइन डे पर इंसानियत की मिसाल

जुपिटर हॉस्पिटल के डॉ. संतोष सोरते और उनकी टीम ने मेडिकल सतर्कता के साथ दिल को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। अस्पताल प्रशासन से कॉल मिलने के महज आधे घंटे के भीतर पूरी योजना लागू कर दी गई। वैलेंटाइन डे पर 'प्यार' और 'इंसानियत' का यह संदेश देने वाले अभियान की हर ओर सराहना हो रही है, जिसने एक बार फिर ठाणे पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता को साबित किया।

25 पुलिसकर्मी रहे तैनात

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट के मार्गदर्शन में इस अभियान को अंजाम दिया गया। ग्रीन कॉरिडोर के लिए पुलिस इंस्पेक्टर श्रीकांत सोंडे (कापूरबावड़ी), इंस्पेक्टर बरेला (वागले), सब-इंस्पेक्टर महाडीक (नौपाड़ा), सब-इंस्पेक्टर हिंगे, एपीआई अजीत पारधी समेत कंट्रोल रूम के निर्देशन में कुल 25 पुलिसकर्मी तैनात रहे। पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा रखी गई और ट्रैफिक को सुचारु रूप से डायवर्ट किया गया।

वाहनों को किराये पर लगवाने के नाम पर 2.44 करोड़ की ठगी

▶▶ आरोपी गिरफ्तार, 32 चारपहिया वाहन जब्त

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वागले इस्टेट पुलिस ने वाहनों को अधिक मासिक किराये पर लगाने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा, वागले यूनिट क्रमांक 5 की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। पुलिस ने उसके पास से लगभग 2,44,15,000 मूल्य के 32 चारपहिया वाहन विभिन्न शहरों से जब्त किए हैं। जब्त वाहनों की संख्या बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है।

लालच देकर हड़पी पांच गाड़ियां

इस संबंध में वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 40/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 316(2) के अंतर्गत 5 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता की पांच चारपहिया गाड़ियां आरोपी संदीप रघु शेट्टी (38), निवासी उलवे, नवी मुंबई ने अधिक मासिक किराया देने का लालच देकर ली थीं। न तो किराया दिया गया और न ही वाहन लौटाए गए।

गाड़ियों को गिरवी रखकर की धोखाधड़ी

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने वाहन वापस करने के बजाय उन्हें अन्य व्यक्तियों के पास गिरवी रख दिया। वारदात के बाद वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर 6 फरवरी 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक शरद युवराज पाटील कर रहे हैं। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपआयुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में, अपराध शाखा वागले यूनिट 5 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सलील भोसले के नेतृत्व में की गई।

पूछताछ में सामने आया बड़ा नेटवर्क

पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी ने इसी तरह कई लोगों को अधिक किराये का प्रलोभन देकर उनकी गाड़ियां हड़पीं और उन्हें गिरवी रखकर रकम हासिल की। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं।

गुरु के अमर बलिदान को इतिहास नहीं भूल सकता : बांगर

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

सिख धर्म के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी को 'हिंद की चादर' के रूप में सम्मानित किया जाता है, क्योंकि उन्होंने देश की संस्कृति और धर्म की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वर्ष 1675 में मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध कश्मीरी पंडितों और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान अद्वितीय है। उनकी 350वीं शहीदी शताब्दी के अवसर पर मीरा-भाईंदर शहर में बलिदान को याद कर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत मीरा-भाईंदर नगर निगम के शिक्षा विभाग द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

> "इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारी युवा पीढ़ी मानवता की रक्षा, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक मूल्यों के प्रति गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान और योगदान को सदैव याद रखे। उनका जीवन हमें निस्वार्थ सेवा और धर्मनिष्ठा की प्रेरणा देता है।
>
> **डॉ. सचिन बांगर, उपायुक्त, मुख्यालय**

नई पीढ़ी तक पहुँचा शहादत का संदेश

गुरु साहिब की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनपा सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुरु जी के जीवन, उनके त्याग और धार्मिक स्वतंत्रता के प्रति उनके समर्पण से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई। प्रसिद्ध गायक सतिंदर सरताज द्वारा गाए गए प्रेरणादायक गीत 'हिंद की चादर' को सुनकर उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो गया और सभी की आँखें नम हो गईं।

विद्यालयी गतिविधियाँ और स्वच्छता अभियान

श्रद्धांजलि स्वरूप मनपा स्कूलों के छात्रों ने 'प्रभात फेरी' निकालकर गुरु जी की वीरगाथा और उनके जनहित कार्यों का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। साथ ही स्कूलों में भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। इस ऐतिहासिक अवसर पर भाईंदर (पूर्व) के सरस्वती नगर गुरुद्वारा परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। नगर निगम के संबंधित विभाग ने गुरुद्वारा परिसर, सड़कों और फुटपाथों की सफाई कर यह संदेश दिया कि प्रशासन धार्मिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वालधुनी नदी में ड्रेनेज कार्य से नदी का पात्र संकुचित होने का खतरा

▶▶ मनपा को सौंपा गया ज्ञापन

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर में इन दिनों सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) तक पाइपलाइन ले जाने के लिए ड्रेनेज का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसी योजना के तहत वालधुनी नदी के भीतर ड्रेनेज पाइप डालने का काम किया जा रहा है, जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। आरोप है कि नदी के किनारों पर पाइप डाले जाने से नदी का प्राकृतिक पात्र संकुचित हो रहा है, जिससे भविष्य में भूमाफियाओं और अवैध निर्माणकर्ताओं को नदी की जमीन पर कब्जा करने का सीधा मौका मिल सकता है। इस विषय में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मनपा आयुक्त और महापौर को पत्र सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है।

न्यायालय के आदेशों के उल्लंघन और बाढ़ की आशंका पर उठाए सवाल

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान में हो रहा निर्माण कार्य न केवल घटिया दर्जे का है, बल्कि मानसून के दौरान तेज बहाव में इसके बह जाने की भी प्रबल संभावना है। पर्यावरण प्रेमियों के अनुसार, नदी का मार्ग छोटा होने से बारिश का पानी आसपास की बस्तियों और घरों में घुस सकता है, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने का डर है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद, बिना किसी उचित अनुमति के नदी के पात्र में यह 'अनधिकृत' निर्माण किया जा रहा है। नगरसेविका सविता तोरणे रगडे, समाजसेवी शिवाजी रगडे, फिरोज खान, दशरथ चौधरी और शशिकांत दायमा ने इस पूरे मामले की गहन जाँच कर उचित कार्यवाही करने का निवेदन किया है।

वर्ली एसआरए प्रोजेक्ट 25 साल से ठप, सरकारी विकास की मांग तेज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वर्ली नाका स्थित प्रेम नगर और सिद्धार्थ नगर में प्रस्तावित इंदिरा स्लम रिहैबिलिटेशन (SRA) परियोजना पिछले करीब 25 वर्षों से लंबित है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के मुंबई सचिव शैलेंद्र कांबले ने मांग की है कि इस परियोजना को निजी डेवलपर के बजाय सरकार, SRA और MHADA के माध्यम से पूरा किया जाए, ताकि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले नागरिकों का समुचित पुनर्विकास हो सके।

डेवलपर के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन

मोर्चे के बाद प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और बैठक में परियोजना रोकने वाले डेवलपर पर कार्रवाई न होने की शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी के विशेष अधिकारी माजगे ने आश्वासन दिया कि परियोजना का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समय-सीमा तय करने और डेवलपर बदलने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि परियोजना के लिए स्पष्ट समय-सीमा घोषित कर उसे सार्वजनिक किया जाए। साथ ही, विफल डेवलपर की नियुक्ति रद्द कर नए डेवलपर की नियुक्ति की जाए। चेतावनी दी गई कि यदि प्रशासन ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सरकारी हस्तक्षेप से समाधान की उम्मीद

शैलेंद्र कांबले ने कहा कि यदि सरकार सीधे इस परियोजना को अपने हाथ में लेती है, तो झुग्गीवासियों का पुनर्वास सुनिश्चित होगा और राज्य को भी दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। आंदोलन में मनोज यादव, तृप्ति निकालजे, प्रवीण मंजलकर, अशोक पवार, सुधाकर रणखंबे, संतोषी शिरोडकर, कलप्पा न्हावी, नवाज शेख, विशाल कांबले और संजय मकासरे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

SRA कार्यालय पर एल्गार मोर्चा

परियोजना में हो रही देरी के विरोध में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और बहुजन शक्ति संगठन की ओर से SRA कार्यालय पर एल्गार मोर्चा निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से प्रोजेक्ट को तत्काल गति देने और जिम्मेदार डेवलपर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

57 रहिवासियों को किराया न मिलने का मुद्दा

बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया कि डेवलपर ने 57 निवासियों को लंबे समय से किराया नहीं दिया है। सहायक रजिस्ट्रार चंद्रकांत पवार ने बताया कि डेवलपर को पहले नोटिस जारी किया गया था। किराया भुगतान के लिए चेक दिया गया था, लेकिन वह बाउंस हो गया। इसके बावजूद ठोस कार्रवाई न होने से रहिवासियों में नाराजगी है।

मुंबई के विकास को मिली 'सुपर रफ्तार'

- एमएमआरडीए का 48,072 करोड़ का सरप्लस बजट पेश
- इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और मुंबई 3.0 को मिलेगी रफ्तार

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 48,072.57 करोड़ का ऐतिहासिक बजट पेश किया है। पिछले आठ वर्षों के वित्तीय संघर्ष के बाद यह पहली बार है जब प्राधिकरण ने 17 लाख का सरप्लस (अधिशेष) बजट प्रस्तुत किया है। यह बजट न केवल एमएमआरडीए की वित्तीय स्थिरता को दर्शाता है, बल्कि मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए एक स्पष्ट रोडमैप भी पेश करता है।

2017-18 के बाद यह पहला सरप्लस बजट वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। यह मुंबई को आधुनिक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का विजन है।
- देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री

बजट का 87% परियोजनाओं के लिए होना केंद्रित शासन का प्रमाण है। 'ग्रोथ हब' के माध्यम से हम क्षेत्रीय विस्तार का नया मानक तय कर रहे हैं।
-एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री

यह बजट वित्तीय स्थिरता की ओर एक बड़ा बदलाव है। 'मुंबई 3.0' के माध्यम से हम विकास का विकेंद्रीकरण और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित कर रहे हैं।
-डॉ. संजय मुखर्जी, महानगर आयुक्त

बजट का 87% हिस्सा केवल विकास परियोजनाओं के लिए

इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि कुल व्यय का 87.42% (42,026.14 करोड़) हिस्सा सीधे तौर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और विकास योजनाओं के लिए आवंटित किया गया है। यह पिछले वर्ष के संशोधित अनुमानों की तुलना में लगभग 58% की भारी बढ़ोतरी है। यह दर्शाता है कि शासन का पूरा ध्यान मुंबई महानगरीय क्षेत्र (MMR) को वैश्विक स्तर का आधुनिक शहर बनाने पर केंद्रित है।

घाटे से मुनाफे की ओर: वित्तीय अनुशासन की जीत

वर्ष 2024-25 में एमएमआरडीए का बजट 7,468 करोड़ के भारी घाटे में था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों में लागू किए गए कड़े वित्तीय अनुशासन और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी के कारण, प्राधिकरण इस घाटे को पाटकर मुनाफे की स्थिति में आने में सफल रहा है। जमीन के बेहतर उपयोग और अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड (UTF) को मजबूत करने से प्राधिकरण की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

रिंग रोड और एलिवेटेड कॉरिडोर का विस्तार

ट्रैफिक के बेहतर वितरण और प्रमुख आर्थिक गलियारों को जोड़ने के लिए 12,816.53 करोड़ का आवंटन किया गया है। इसमें ठाणे कोस्टल रोड (1,025.77 करोड़), वर्ली-शिवडी एलिवेटेड कॉरिडोर (936.07 करोड़) और कल्याण रिंग रोड (600 करोड़) जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही, ईस्टर्न फ्रीवे का ठाणे तक विस्तार करने के लिए 1,106.75 करोड़ की भारी राशि आवंटित की गई है, जो सफर के समय को काफी कम करेगी।

भूमिगत परिवहन के लिए ऐतिहासिक आवंटन

शहर के आंतरिक हिस्सों में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए MMRDA ने भूमिगत बुनियादी ढांचे पर 5,543.51 करोड़ का निवेश करने का निर्णय लिया है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण 'ठाणे-बोरीवली चार लेन सुरंग' के लिए 3,029.51 करोड़ का प्रावधान है।

मेट्रो नेटवर्क का देशव्यापी सबसे बड़ा विस्तार

सार्वजनिक परिवहन को सशक्त करने के लिए मेट्रो परियोजनाओं हेतु 13,838.88 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में मेट्रो लाइन 4 (वडाला-कासारवडवली) के लिए 3,630.71 करोड़ और मेट्रो लाइन 6 के लिए 2,407.78 करोड़ आवंटित किए गए हैं। MMRDA एक ही एजेंसी के रूप में पूरे मुंबई महानगर क्षेत्र में एक जाल बिछा रहा है, जो ठाणे, कल्याण, भिवंडी, और मीरा-भायंदर जैसे उपनगरों को मुख्य शहर से निर्बाध रूप से जोड़ेगा। विकास की दौड़ में समाज के हर वर्ग को साथ लेने के लिए प्राधिकरण ने झुग्गी पुनर्विकास और आवास योजनाओं हेतु 731.33 करोड़ आवंटित किए हैं।

आय के स्रोत

- भूमि बिक्री: 11,177.95 करोड़
- अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड: 6,368.42 करोड़
- कर्ज: 23,711.16 करोड़
- राज्य अधीन ऋण: 3,520 करोड़
- सरकारी अनुदान व टीडीआर: 1,189.14 करोड़
- अन्य स्रोत (ग्राउंड रेंट, ब्याज आदि): 1,664.19 करोड़ रुपये

मुंबई 3.0: विकास का विकेंद्रीकरण

MMRDA ने 'मुंबई 3.0' के विजन के साथ आर्थिक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए 4,600 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें 'करनाला-साई-चिरनेर (KSC) न्यू टाउन' के लिए अकेले 4,000 करोड़ रखे गए हैं। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य मुंबई पर जनसंख्या और ट्रैफिक का बोझ कम करना और नीति आयोग के 'ग्रोथ हब' मॉडल के अनुसार नए औद्योगिक और रोजगार केंद्र विकसित करना है।

जल सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयास

महानगर के बढ़ते क्षेत्रों में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए 980.87 करोड़ का आवंटन किया गया है। 'सूर्या क्षेत्रीय जल आपूर्ति योजना' (267 करोड़) और 'देहरजी मध्यम परियोजना' (247.07 करोड़) के माध्यम से मीरा-भायंदर, वसई-विरार और पालघर जैसे दूरदराज के इलाकों में लंबे समय के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यह क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अबू सलेम को नहीं मिली राहत

कोर्ट ने सजा पूरी होने के दावे वाली याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

मुंबई/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिसमें उसने खुद को तुरंत रिहा करने की मांग की थी। सलेम का दावा है कि वह 25 साल की सजा पूरी कर चुका है और पिछले 10 महीनों से उसे गैर-कानूनी हिरासत में रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान जस्टिस नाथ ने कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सलेम को समाज के लिए कुछ अच्छा न करने की वजह से 25 साल की सजा मिली थी। उसे टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट (टीएडीए) जैसे गंभीर कानून के तहत दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने सलेम को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दी और उसे हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई के लिए अर्जी देने की छूट दी।

कौन है अबू सलेम?

अबू सलेम 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस का दोषी है। उसे लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल से भारत लाया गया था। भारत और पुर्तगाल के बीच हुए समझौते के तहत सलेम को मौत की सजा नहीं दी जा सकती और उसकी जेल की सजा 25 साल से ज्यादा नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट में बॉम्बे हाई कोर्ट जाने का दिया निर्देश

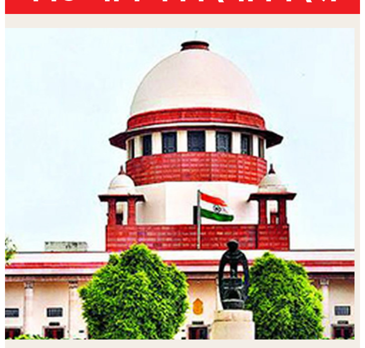

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सलेम के वकील से कहा कि वे इस मामले को बॉम्बे हाई कोर्ट में ही उठाएं। बेंच ने साफ किया कि हाई कोर्ट ने अभी सिर्फ अंतरिम राहत देने से मना किया है, इसलिए सलेम को वहीं जाकर अपनी अंतिम बहस पूरी करनी चाहिए। सलेम ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जुलाई 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्यता में उसकी 25 साल की सजा अभी पूरी नहीं हुई है। सलेम के वकील ने महाराष्ट्र जेल नियमों का हवाला देते हुए दलील दी कि अगर अच्छे बर्ताव के बदले मिलने वाली छूट को जोड़ लिया जाए, तो सलेम अपनी सजा काट चुका है। वकील ने यह भी आरोप लगाया कि जेल प्रशासन ने जो हलफनामा दिया है, उसमें गिनती की गलती है।

जेल प्रशासन का क्या है कहना?

जुलाई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि केंद्र सरकार पुर्तगाल को दिए गए वादे को निभाने के लिए बाध्य है। जैसे ही सलेम की 25 साल की सजा पूरी होगी, उसे रिहा करना होगा। हालांकि, जेल प्रशासन के रिकॉर्ड के मुताबिक सलेम ने अब तक केवल 19 साल की सजा काटी है।

रोहित पवार निजी जासूसों से कराएंगे विमान हादसे की जांच

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने स्वर्गीय अजित पवार की विमान दुर्घटना को लेकर सनसनीखेज रुख अपनाते हुए अब निजी तौर पर जांच कराने का निर्णय लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित पवार सरकारी तंत्र की जांच पर संदेह व्यक्त कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने दिल्ली की दो प्रसिद्ध निजी जासूसी कंपनियों से संपर्क साधा है। उनका स्पष्ट मानना है कि 28 जनवरी को हुआ यह हादसा महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित 'घातपात' या साजिश हो सकती है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए उन्होंने एक एजेंसी को जांच सौंपने की तैयारी पूरी कर ली है। सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद रोहित पवार ने अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस हादसे से जुड़े कई गंभीर सवाल खड़े किए थे। रोहित पवार का दावा है कि उनके पास इस मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण 'क्लू' और गोपनीय जानकारियां हैं, जिन्हें वे निजी जासूसी एजेंसी को सौंपने वाले हैं ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सुनेत्रा पवार बनेंगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष

26 फरवरी को होगी आधिकारिक घोषणा

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) अब नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है। हाल ही में मुंबई स्थित 'देवगिरी' बंगले पर आयोजित पार्टी के विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सुनेत्रा पवार को पार्टी की कमान सौंपी जाए। गौरतलब है कि अजित पवार के निधन के बाद सुनेत्रा पवार ने पहले ही उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है और अब वे पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में भी सर्वोच्च पद संभालने जा रही हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक और चयन प्रक्रिया

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी विधायकों और उपस्थित पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। इस निर्णय को आधिकारिक रूप देने के लिए 26 फरवरी को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की विशेष बैठक बुलाई गई है। इसी बैठक में उनके चयन की औपचारिक घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें विधानसभा में समूह नेता की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है, जिससे सरकार और संगठन दोनों पर उनकी पकड़ मजबूत होगी।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:-** सोला/क.वि./नि/2025/18R **कार्य का नाम:-** निम्नलिखित के संबंध मे विदयुत टीआरडी का कार्य, **1)** दौंड-मोहोल खंड में 26 पुलों की बैरल लंबाई का विस्तार और 9 पुलों (स्लैब 05, आरसीसी पाइप 02 और आर्क 02) का पुनर्निर्माण। **2)** सोलापुर डिवीजन के दौंड-सोलापुर खंड में महत्वपूर्ण पुल संख्या 431/1 (किमी 431/5-8, अप और डाउन) और पुल संख्या 315/1 (किमी 315/0-2) के एप्रोच पर जियो सेल, जियो टेक्सटाइल और ब्लैकेटिंग सामग्री का उपयोग करके ट्रांजिशन सिस्टम बिछाना का कार्य। (पुनर्निविदा) **कार्य की अनुमानित लागत:** रू. 73,65,625.41 **बयाना राशि:-** रू 1,47,300/- **कार्य पुरा करने की अवधि:-** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 16/03/2026 को 15.00 बजे। ANJ-13

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल
मौजूदा पुराने 25KV का रूपांतरण

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), सीएसएमटी मुंबई का कार्यालय निविदा क्रमांक: BB.LD.585.W.894.Cont
1. कार्य का नाम: मुंबई डिविजन के कुर्ला जिले में सुरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने के लिए TSS, SP, SSPs में मौजूदा पुराने 25KV CT, PT और ओवरएज LA को बदलना। **2. अनुमानित लागत ₹:** 5,27,36,245/- **3. बिड सिक्योरिटी ₹:** 4,13,700/- **4. ऑफर की वैधता:** 60 दिन **5. समापन अवधि:** 12 महीने **6. निविदा फॉर्म का मूल्य ₹:** 0 **I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय:** दिनांक 11-03-2026 को 11.00 बजे तक, और 11.00 बजे के बाद खोला जाएगा। II) शुद्धिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाकाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। III) केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकलि ई-टेंडर में निविदाकाधारक सहभाग ले सकते हैं और ई-टेंडर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन, देने की अनुमति नहीं है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। IV) निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। V) अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजिल, एनेक्स भवन, सीएसएमटी, मुंबई - 400001 फोन - 022-22612355. निविदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजिल, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **खुली निविदा सूचना सं. BB.LD.585.W.894.CONT दिनांक 16-02-2026** 909

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

भारत के पहले एआई लिविंग लैब का महाराष्ट्र में शुभारंभ

मुंबई। महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा और जर्मनी की संसदीय राज्य मंत्री डॉ. बार्बेल कॉफ्लर ने मुंबई स्थित महाराष्ट्र राज्य रतन टाटा कौशल्य विश्वविद्यालय में देश की पहली 'एआई लिविंग लैब' का उद्घाटन किया, जो जर्मनी के सहयोग से स्वदेशी लघु और बड़े उद्योगों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस अवसर पर मंत्री लोढ़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्वदेशी' अवधारणा को मजबूत करने पर जोर दिया, वहीं डॉ. कॉफ्लर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को मानवता के भविष्य और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए अनिवार्य बताया। यह लैब विश्वविद्यालय, सरकार और उद्योगों को एक मंच पर लाकर वास्तविक व्यापारिक समस्याओं के समाधान खोजेगी, जिसमें जर्मनी की पांच प्रमुख कंपनियों सहित महाराष्ट्र की प्रमुख औद्योगिक इकाइयां (जैसे एक्युरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स और लाइटेक्स इलेक्ट्रिकल) सहयोग कर रही हैं। यह पहल न केवल तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देगी, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
दूरभाष: 022-66405484 ई-मेल: eecityslum@gmail.com
संदर्भ क्रमांक: EE/City/MSIB/e-tender/93/2025-26

ई-निविदा सूचना क्रमांक 93

कार्यकारी अभियंता (शहर विभाग), मुंबई स्लम इम्प्रूव्हमेंट बोर्ड (MHADA की इकाई), कक्ष क्रमांक 539, चौथा तल, गृहनिर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051, दूरध्वनि क्रमांक (022) 66405484 द्वारा 01 कार्य के लिए खुली / नियमित ई-निविदा (B-1 प्रतिशत दर) आमंत्रित की जाती है। यह निविदा संबंधित वर्ग में पंजीकृत ठेकेदारों अथवा किसी सरकारी / अर्ध-सरकारी संस्था से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित की गई है। निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in से उपलब्ध एवं डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड किए जा सकते हैं। दस्तावेज बिक्री प्रारंभ: 17.02.2026, प्रातः 01:00 बजे दस्तावेज बिक्री समाप्ति: 24.02.2026, सायं 05:35 बजे -पूर्व बोली बैठक: 23.02.2026, दोपहर 03:00 बजे यदि कोई शुद्धिपत्र / संशोधन होगा तो वह केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी को बिना कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। सशर्त निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी।

Follow us: @mhadaofficial
सीपीआरओ/ए/98

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (शहर),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

मुंबई सेंट्रल, ग्रांट रोड और चर्नी रोड स्टेशनों का होगा कायाकल्प

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दक्षिण मुंबई के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों—मुंबई सेंट्रल, ग्रांट रोड और चर्नी रोड—की तस्वीर जल्द ही बदलने वाली है। राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आज चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक (GM) प्रदीप कुमार से मुलाकात कर इन स्टेशनों के आधुनिक विकास और स्थानीय यात्रियों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।

सुरक्षा और अतिक्रमण पर कड़ा रुख

सुरक्षा के मोर्चे पर, मंत्री लोढ़ा ने स्टेशन क्षेत्रों में बढ़ते अवैध अतिक्रमण और अनधिकृत फेरीवालों की समस्या को गंभीरता से उठाया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि सड़कों को तत्काल खाली कराया जाए और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की सख्त पहचान जाँच की जाए। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने इन सभी मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का वादा करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक कौशिक शाह भी उपस्थित रहे, जिन्होंने रेलवे की इस पहल का स्वागत किया।

यात्री सुविधाओं का विस्तार: स्लाइडिंग गेट और एस्केलेटर

बैठक में निर्णय लिया गया कि इन तीनों व्यस्त स्टेशनों पर जल्द ही स्लाइडिंग गेट (स्वचालित द्वार) और एस्केलेटर लगाए जाएंगे। यह पहल विशेष रूप से बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए की गई है। इसके अलावा, स्टेशन परिसरों का व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिल सके। मंत्री लोढ़ा ने चर्नी रोड स्टेशन को गिरगांव से जोड़ने वाले लंबित पैदल यात्री पुल (FOB) के निर्माण को भी गति देने का आग्रह किया, जिस पर रेलवे ने सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (नगरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8(3)(क) के प्रावधानों के अनुसार परिमंडल 7 के अंतर्गत निम्नलिखित प्रस्तावों को धारा 8(6) के तहत माननीय आयुक्त तथा अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण समिति की स्वीकृति प्राप्त हुई है —'आर/उत्तर' विभाग - 01 प्रस्ताव,'आर/मध्य' विभाग - 02 प्रस्ताव,'आर/दक्षिण' विभाग - 01 प्रस्ताव,इस प्रकार कुल 04 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है।
उक्त प्रस्तावों में वृक्षों की कटाई / पुनरोपण से संबंधित विस्तृत जानकारी महानगरपालिका की आधिकारिक वेबसाइट **www.mcgm.gov.in** पर उपलब्ध है:

अधिक जानकारी निम्न लिंक पर देखी जा सकती है: "बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में" "विभाग एवं खाते" "खातानुसार जानकारी पुस्तिका" "उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण दस्तावेज" संदर्भ क्रमांक: **WS324-R/North,WS325-RCentral, WS326-R/Central,WS327-R/South**

उद्यान अधीक्षक तथा वृक्ष अधिकारी
कार्यालय: पेंग्विन इमारत, द्वितीय मंजिल,
वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग, भायखला (पूर्व), मुंबई - 400027
दूरभाष क्रमांक: 23742162
ई-मेल: sg.gardens@mcgm.gov.in

PRO/2999/ADV/2025-26

हस्ता/-
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

महाराष्ट्र में चौकसी का अलर्ट मोड

महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई, देश की आर्थिक धुरी होने के कारण लंबे समय से आतंकवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों से लेकर 26/11 जैसे हमलों तक, राज्य ने आतंकवाद का दर्द झेला है। ऐसे इतिहास के बीच किसी भी संदिग्ध गतिविधि को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता स्वाभाविक और आवश्यक दोनों है। रविवार को एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) द्वारा की गई छापेमारी इसी सतर्कता का संकेत है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई। यदि सुरक्षा एजेंसियाँ संभावित साजिशों को समय रहते विफल कर देती हैं, तो यह न केवल बड़े खतरे को टालने में सहायक होता है, बल्कि जनता में सुरक्षा के प्रति भरोसा भी बढ़ाता है। आज आतंकवाद का स्वरूप बदल चुका है। कट्टरपंथी विचारधाराएँ डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं तक पहुँचने की कोशिश करती हैं। छोटे-छोटे मॉड्यूल, "लोन वुल्फ" हमले और साइबर नेटवर्किंग जैसी चुनौतियाँ जांच एजेंसियों के लिए नई परीक्षा बन चुकी हैं। हालाँकि, हर छापेमारी और गिरफ्तारी के बाद यह भी आवश्यक है कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हो। आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है, लेकिन इसके साथ नागरिक अधिकारों और कानून की प्रक्रिया का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी भी निर्दोष व्यक्ति को संदेह के दायरे में लाकर सामाजिक रूप से कलंकित करना न्यायसंगत नहीं होगा। लोकतंत्र की मजबूती इसी संतुलन में निहित है—कड़ी सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन। राज्य सरकार और केंद्र की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, खुफिया तंत्र की मजबूती और आधुनिक तकनीक का उपयोग आतंकवाद-रोधी रणनीति का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। साथ ही समाज की भूमिका भी अहम है। सामुदायिक सौहार्द, अफवाहों से दूरी और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देना नागरिक जिम्मेदारी है। रविवार की एटीएस कार्रवाई यह याद दिलाती है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। केवल हथियारों और गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि जागरूक समाज, सशक्त कानून व्यवस्था और पारदर्शी शासन से ही इस चुनौती का स्थायी समाधान संभव है। संगठनों के निशाने पर रहा है। 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों से लेकर 26/11 जैसे हमलों तक राज्य ने आतंकवाद की भयावहता को झेला है। ऐसे इतिहास के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियों की हर सक्रियता और सतर्कता को गंभीरता से देखा जाता है। रविवार, 15 फरवरी को एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) द्वारा की गई छापेमारी इसी सतर्क सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई। यदि सुरक्षा एजेंसियाँ संभावित साजिशों को समय रहते विफल करने में सफल होती हैं, तो यह केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यापक सुरक्षा रणनीति का संकेत होता है। आतंकवाद आज पारंपरिक स्वरूप से आगे बढ़ चुका है। अब यह संगठित बड़े हमलों के साथ-साथ छोटे मॉड्यूल, डिजिटल कट्टरपंथ और 'लोन वुल्फ' हमलों के रूप में भी सामने आ रहा है। ऐसे में खुफिया नेटवर्क की मजबूती और तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। महाराष्ट्र जैसे औद्योगिक और बहुसांस्कृतिक राज्य में शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। आतंकवाद का उद्देश्य केवल जान-माल की हानि नहीं, बल्कि समाज में भय, अविश्वास और विभाजन पैदा करना भी होता है। इसलिए हर छापेमारी और जांच के बाद अफवाहों पर रोक और तथ्यात्मक जानकारी का समय पर साझा किया जाना जरूरी है।

शख्सियत | पेशवा बालाजी विश्वनाथ

मराठा साम्राज्य के चाणक्य

बालाजी विश्वनाथ भट्ट का जन्म 17 फरवरी, 1662 को कोंकण के एक चितपावन परिवार में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन संघर्षों से भरा रहा, क्योंकि जंजीरा के सिद्दियों के अत्याचार के कारण उन्हें अपना पैतृक स्थान छोड़कर सासवड (पुणे) आना पड़ा।

बालाजी एक असाधारण रणनीतिकार और राजस्व विशेषज्ञ थे। उनकी प्रतिभा को सबसे पहले मराठा सेनापति धनाजी जाधव ने पहचाना और उन्हें अपना निजी सचिव नियुक्त किया। 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के बाद जब छत्रपति शाहू जी महाराज मुगलों की कैद से मुक्त होकर लौटे, तो मराठा साम्राज्य में उत्तराधिकार का गृहयुद्ध छिड़ गया। एक तरफ शाहू जी थे और दूसरी तरफ महारानी ताराबाई। इस संकट के समय में बालाजी विश्वनाथ ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए धनाजी जाधव और कई प्रमुख मराठा सरदारों को शाहू जी के पक्ष में खड़ा किया। उनकी इसी दूरदर्शिता और अटूट निष्ठा से प्रभावित होकर शाहू जी ने 17 नवंबर, 1713 को उन्हें 'पेशवा' (प्रधानमंत्री) के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया। पेशवा बनने के बाद बालाजी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बिखरे हुए मराठा सरदारों को एकजुट करना और राजकोष को फिर से भरना था। उन्होंने 'सरंजामी व्यवस्था' की शुरुआत की, जिसके तहत शक्तिशाली मराठा परिवारों (जैसे होल्कर, सिंधिया और गायकवाड़) को विशेष क्षेत्रों से कर वसूलने और सेना रखने का अधिकार दिया गया। यद्यपि इस व्यवस्था ने भविष्य में कुछ चुनौतियाँ पैदा कीं, लेकिन तात्कालिक रूप से इसने मराठा सरदारों को छत्रपति के प्रति वफादार बनाए रखा और उन्हें साम्राज्य विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मराठा नौसेना के प्रमुख कान्होजी आंग्रे के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, जिससे पश्चिमी समुद्री तट पर मराठों की शक्ति और बढ़ गई। बालाजी ने जटिल राजस्व प्रणाली को सरल बनाया और जमींदारों के बीच सत्ता का ऐसा संतुलन बनाया कि गृहयुद्ध की संभावनाएँ समाप्त हो गईं। उनके इन सुधारों ने मराठा प्रशासन को एक संगठित और स्थायी रूप प्रदान किया। बालाजी विश्वनाथ की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत 1719 की 'दिल्ली की संधि' मानी जाती है। मुगल साम्राज्य की आंतरिक गुटबाजी का लाभ उठाते हुए उन्होंने 'सैयद बंधुओं' के साथ गठबंधन किया और मराठा सेना लेकर दिल्ली की ओर कूच किया। यह पहली बार था जब दक्षिण की कोई शक्ति दिल्ली के सिंहासन के भाग्य का फैसला करने उत्तर भारत पहुँची थी। इस संधि के माध्यम से उन्होंने मुगलों से शाहू जी को 'स्वराज्य' का कानूनी स्वामी स्वीकार करवाया। साथ ही, दक्षिण के छह सुबों से 'चौथ' और 'सरदेशमुखी' वसूलने का अधिकार प्राप्त किया, जो मराठों की आर्थिक शक्ति का आधार बना। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि उन्होंने शाहू जी की माता और परिवार के अन्य सदस्यों को मुगलों की कैद से सम्मानपूर्वक मुक्त कराया। इतिहासकार रिचर्ड टेम्पल ने इस संधि को मराठा साम्राज्य का 'मैग्ना कार्टा' (महान अधिकार पत्र) कहा है, क्योंकि इसने मराठों को एक विद्रोही शक्ति से हटाकर भारत की एक कानूनी और सर्वोपरि शक्ति बना दिया।

इतिहास बनाम राजनीति

टीपू और छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना

धीरज सिंह
समाचार संपादक

भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस वोट-बैंक की राजनीति के तहत टीपू सुल्तान को महिमामंडित करती है। बयानबाजी और राजनीतिक रणनीति मुंबई में यह बहस अक्सर प्रेस कॉन्फ्रेंस, सोशल मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामने आती है।

भारतीय इतिहास के दो प्रमुख व्यक्तित्व— टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज—समय-समय पर राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीति में चर्चा के केंद्र में रहे हैं। हाल के वर्षों में यह बहस विशेष रूप से मुंबई की राजनीति में भी देखने को मिली, जहाँ मुंबई कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी बयानबाज़ी हुई। इतिहास, अस्मिता और राजनीतिक प्रतीकों के मेल से यह मुद्दा केवल अतीत की चर्चा नहीं, बल्कि वर्तमान की रणनीति का हिस्सा बन गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः दो युग, दो संदर्भ शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में हुआ और उन्होंने 17वीं सदी में दक्खन क्षेत्र में मराठा स्वराज्य की नींव रखी।

उनका संघर्ष मुख्यतः मुग़ल सत्ता और दक्षिण की सल्तनतों के विरुद्ध था। उन्होंने किलों का सशक्त नेटवर्क बनाया, समुद्री शक्ति को बढ़ाया और 'अष्टप्रधान' परिषद के माध्यम से प्रशासनिक ढांचा विकसित किया। उन्हें एक ऐसे शासक के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने प्रजा-कल्याण, धार्मिक सहिष्णुता और महिलाओं के सम्मान को प्राथमिकता दी। टीपू सुल्तान 18वीं सदी में मैसूर के शासक थे। वे हैदर अली के पुत्र और उत्तराधिकारी थे। उन्होंने अंग्रेज़ों के विरुद्ध चार मैसूर युद्ध लड़े और आधुनिक सैन्य तकनीक—विशेषकर रॉकेट तोपखाने—का प्रयोग किया। 1799 में श्रीरंगपट्टनम की लड़ाई में उनकी मृत्यु हुई। उनके समर्थक उन्हें औपनिवेशिक ताकतों के विरुद्ध डटकर खड़े होने वाले शासक के रूप में देखते हैं। समानताएँ और अंतर दोनों शासकों में विदेशी शक्तियों का विरोध, सैन्य संगठन और प्रशासनिक सुधार जैसे

समान तत्व दिखाई देते हैं। शिवाजी ने स्थानीय स्वराज्य की अवधारणा को बल दिया, जबकि टीपू सुल्तान ने केंद्रीकृत शासन के माध्यम से राज्य को मजबूत करने की कोशिश की।

धार्मिक नीति को लेकर दोनों के संदर्भ में अलग-अलग मत हैं। शिवाजी को व्यापक रूप से सर्वधर्म समभाव और व्यावहारिक नीति अपनाने वाला शासक माना जाता है। टीपू सुल्तान के बारे में इतिहासकारों के बीच मतभेद हैं—कुछ उन्हें प्रगतिशील और सुधारवादी बताते हैं, तो कुछ उनके शासनकाल में जबरन धर्मांतरण और कठोर नीतियों के आरोपों का उल्लेख करते हैं। यही ऐतिहासिक व्याख्याएँ आज की राजनीतिक बहस को प्रभावित करती हैं। मुंबई की राजनीति में मुद्दे का प्रवेश मुंबई, जो महाराष्ट्र की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी है, शिवाजी महाराज की विरासत से गहराई से जुड़ी हुई है। ऐसे में जब टीपू सुल्तान को लेकर किसी प्रकार का सार्वजनिक कार्यक्रम, बयान या तुलना सामने आती है, तो वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशील विषय बन जाता है। मुंबई कांग्रेस का रुख यह रहा है कि इतिहास को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। उनके नेताओं का तर्क है कि टीपू सुल्तान अंग्रेज़ों के खिलाफ संघर्ष करने वाले शासक थे, इसलिए उन्हें स्वतंत्रता-पूर्व प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। वे इसे सांप्रदायिक दृष्टि से देखने का विरोध करते हैं। दूसरी ओर, भाजपा का कहना है कि शिवाजी महाराज महाराष्ट्र की अस्मिता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं, और उनकी तुलना किसी ऐसे शासक से करना, जिन पर धार्मिक भेदभाव के आरोप लगे हों, उचित नहीं है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस वोट-बैंक की राजनीति के तहत टीपू सुल्तान को महिमामंडित करती है। बयानबाज़ी और राजनीतिक रणनीति मुंबई में यह बहस अक्सर प्रेस कॉन्फ्रेंस, सोशल मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामने आती है।

भाजपा, शिवाजी महाराज के सम्मान और मराठी गौरव को प्रमुख मुद्दा बनाती है। वहीं कांग्रेस इतिहास की बहुआयामी व्याख्या और औपनिवेशिक विरोध के पहलू को रेखांकित करती है। चुनावी मौसम में यह मुद्दा और तीखा हो जाता है। नगर निगम चुनावों या विधानसभा चुनावों के दौरान ऐतिहासिक प्रतीकों का उपयोग जनभावनाओं को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। शिवाजी महाराज की विरासत को लेकर सभी दल अपनी प्रतिबद्धता जताते हैं, लेकिन टीपू सुल्तान के संदर्भ में मतभेद स्पष्ट रूप से सामने आते हैं।

हमारी गीता

जीवन प्रबंधन का दिव्य मार्गदर्शन

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य मार्गदर्शक है। महाभारत के युद्धक्षेत्र में जब अर्जुन मोह और विषाद से घिर गए, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो उपदेश दिया, वही आज संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। गीता हमें सिखाती है कि जीवन के संघर्षों से भागना समाधान नहीं, बल्कि सही दृष्टिकोण के साथ उनका सामना करना ही सच्चा धर्म है। गीता का मूल संदेश है—कर्तव्य पालन। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि परिणाम की चिंता छोड़कर अपने कर्म पर ध्यान केंद्रित करो। "कर्मण्येवाधिकारस्ते" का सिद्धांत हमें बताता है कि हमारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल पर नहीं। जब हम अपेक्षाओं और भय से मुक्त होकर कर्तव्य निभाते हैं, तभी मन की शांति प्राप्त होती है। आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धी जीवन में गीता की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। लोग सफलता की दौड़ में मानसिक संतुलन खो देते हैं। गीता सिखाती है कि समत्व ही योग है—सफलता और असफलता, लाभ और हानि, सुख और दुख में संतुलित रहना ही आध्यात्मिक परिपक्वता है। यह संतुलन ही व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देता है। गीता भक्ति, ज्ञान और कर्म—इन तीनों मार्गों का समन्वय प्रस्तुत करती है। केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं, केवल कर्म भी अधूरा है, और केवल भक्ति भी पूर्णता नहीं देती। जब ये तीनों एक साथ जीवन में उतरते हैं, तभी संपूर्ण विकास संभव होता है।

गीता हमें आत्मा की शाश्वतता का बोध कराती है—"न जायते म्रियते वा कदाचित्।" यह समझ भय को दूर करती है और जीवन को व्यापक दृष्टि देती है। चिन्मय मिशन का उद्देश्य भी यही है कि गीता के ज्ञान को घर-घर तक पहुँचाया जाए, ताकि व्यक्ति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रहे, बल्कि आध्यात्मिकता को अपने दैनिक जीवन में उतारे। गीता का अध्ययन केवल पाठ नहीं, बल्कि आत्मचिंतन की प्रक्रिया है।

जीवन ऊर्जा | माइकल जॉर्डनः जन्म -17 फरवरी 1963 | जन्म

बार-बार की असफलता ने मुझे सफल बनाया

17 फरवरी 1963 को जन्मे माइकल जॉर्डन खेल इतिहास की सबसे प्रेरणादायक शख्सियतों में गिने जाते हैं। वे केवल एक महान बास्केटबॉल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर मेहनत के प्रतीक हैं।

मैं अपनी जिंदगी में बार-बार असफल हुआ हूं।, और इसीलिए मैं सफल होता हूं। बाधाओं को आपको रोकने न दें। यदि आप एक दीवार से टकराते हैं, तो मुड़कर हार न मानें। पता लगाएं कि उस पर कैसे चढ़ना है, उसके पार कैसे जाना है, या उसके चारों ओर कैसे काम करना है। कुछ लोग चाहते हैं कि यह हो, कुछ लोग उम्मीद करते हैं कि यह होगा, और अन्य लोग इसे कर दिखाते हैं। मैंने अपने करियर में 9000 से ज्यादा शॉट मिस किए हैं। मैंने लगभग 300 गेम हारे हैं। 26 बार मुझ पर गेम जिताने वाला शॉट लेने का भरोसा किया गया और मैं चूक गया। प्रतिभा खेल जीतती है, लेकिन टीम वर्क और बुद्धिमत्ता चैंपियनशिप जीतती है। जीतने के लिए आपको हारना स्वीकार करना होगा, लेकिन हारना पसंद करना कभी नहीं। मैं असफलता को स्वीकार कर सकता हूँ, हर कोई किसी न किसी चीज़ में असफल होता है। लेकिन मैं कोशिश न करना स्वीकार नहीं कर सकता। हमेशा एक नकारात्मक स्थिति को सकारात्मक स्थिति में बदलें। मेरा रवैया ऐसा है कि अगर आप मुझे ऐसी किसी चीज़ की ओर धकेलते हैं जिसे आप मेरी कमजोरी समझते हैं, तो मैं उस कमजोरी को ताकत में बदल दूँगा। सफलता का आनंद लेने के लिए आपको स्वार्थी होना होगा, वरना आप इसे कभी हासिल नहीं कर पाएंगे। एक बार जब आप अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच जाते हैं, तो आपको निस्वार्थ होना होगा। खेल मेरा जीवन रहा है। इसने मुझे वह सम्मान दिया है जिसका

मैं हकदार था और वह खुशी दी जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। एक बार जब आप हार मान लेते हैं, तो यह एक आदत बन जाती है। कभी हार मत मानो। अगर आप काम करते हैं, तो परिणाम मिलते हैं। जीवन में कोई शॉर्टकट नहीं है। डर सिर्फ एक भ्रम है। मैं कभी भी किसी शॉट को मिस करने के परिणामों के बारे में नहीं सोचता... जब आप परिणाम के बारे में सोचते हैं, तो आप हमेशा एक नकारात्मक परिणाम के बारे में सोचते हैं। सफल होने के लिए आपको अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। अभ्यास के दौरान मेरा लक्ष्य हमेशा सुधार करना होता था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

देवर्षि नारदः श्राप, वैराग्य और लोककल्याण की अनवरत यात्रा

भारतीय पुराणों में देवर्षि नारद का व्यक्तित्व अत्यंत विशिष्ट और प्रेरणादायक माना गया है। उन्हें केवल देवताओं के ऋषि के रूप में ही नहीं, बल्कि तीनों लोकों के संदेशवाहक, भक्ति के प्रवर्तक और लोककल्याण के अग्रदूत के रूप में भी जाना जाता है। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, नारद जी को दक्ष प्रजापति का ऐसा श्राप प्राप्त हुआ था कि वे किसी एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं ठहर सकते। यही कारण है कि वे सदैव एक लोक से दूसरे लोक की यात्रा करते रहते हैं। पुराणों के अनुसार, देवर्षि नारद को ब्रह्मा के सात मानस पुत्रों में से एक माना गया है। देवताओं के ऋषि होने के कारण उन्हें 'देवर्षि' की उपाधि मिली। वे अजर-अमर, परम ज्ञानी और भगवान विष्णु के अनन्य भक्त माने जाते हैं। उनके मुख से निरंतर "नारायण-नारायण" का उच्चारण होता रहता है, जो उनकी अखंड भक्ति का प्रतीक है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

कथा के अनुसार, ब्रह्मा जी ने नारद को सृष्टि विस्तार का कार्य करने का आदेश दिया। किंतु नारद जी का मन सांसारिक सृष्टि-कार्य में नहीं, बल्कि भक्ति और वैराग्य में रमा हुआ था।

उन्होंने पिता के आदेश को स्वीकार नहीं किया। इस पर ब्रह्मा जी ने उन्हें आजीवन अविवाहित रहने का श्राप दे दिया। किंतु नारद ने इसे भी ईश्वर की इच्छा मानकर स्वीकार किया और भक्ति मार्ग पर अग्रसर रहे।दक्ष प्रजापति से संबंधित कथा भी अत्यंत प्रसिद्ध है। दक्ष की पत्नी आसक्ति से दस हजार पुत्र उत्पन्न हुए थे। जब वे सृष्टि-विस्तार के उद्देश्य से तप करने गए, तब नारद जी ने उन्हें वैराग्य और मोक्ष का उपदेश दिया। नारद के उपदेश से वे सभी पुत्र संसार त्याग कर आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े। इससे क्रोधित होकर दक्ष प्रजापति ने नारद जी को श्राप दिया कि वे किसी एक स्थान पर दो घड़ी से अधिक नहीं रुक पाएंगे। दक्ष को भय था कि यदि नारद इसी प्रकार सभी को वैराग्य का उपदेश देते रहे, तो सृष्टि का विस्तार कैसे होगा। इसी श्राप के कारण नारद जी सदैव तीनों

लोकों—स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल—में विचरण करते रहते हैं। किंतु यही उनका लोककल्याण का माध्यम भी बन गया। वे देवताओं, असुरों और मनुष्यों के बीच संवाद स्थापित करते, आवश्यक संदेश पहुँचाते और धर्म की स्थापना में सहयोग देते हैं।

इस दृष्टि से उन्हें सृष्टि का प्रथम "संदेशवाहक" या "पत्रकार" भी कहा जा सकता है।देवर्षि नारद भक्ति और संकीर्तन के आद्य आचार्य माने जाते हैं। उनकी वीणा 'महती' के नाम से प्रसिद्ध है, जिसकी मधुर ध्वनि से भगवान का नाम गूंजता रहता है। वे केवल घटनाओं के वाहक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना के प्रेरक भी हैं। कठिन तपस्या और ज्ञान के बल पर उन्होंने ब्रह्मर्षि का पद प्राप्त किया। नारद जी का जीवन यह संदेश देता है कि श्राप भी कभी-कभी वरदान बन जाता है। जो दंड प्रतीत होता है, वही लोककल्याण का साधन बन सकता है। उनकी अनवरत यात्रा केवल भटकाव नहीं, बल्कि धर्म, भक्ति और ज्ञान का प्रसार है। सभी युगों में, सभी लोकों में और समाज के प्रत्येक वर्ग में नारद जी की मान्यता इसी कारण बनी रही है। वे सनातन परंपरा में ज्ञान, संवाद और भक्ति के अमर प्रतीक हैं।

अपने विचार

टीपू सुल्तान ब्रिटिशों से लड़ते हुए शहीद हुए...टीपू ने ब्रिटिशों को प्रेम पत्र नहीं लिखे, जैसा कि वीर सावरकर ने किया, माफी मांगते हुए और वादा करते हुए कि आप जो कहेंगे, वह करेंगे. टीपू ने तलवार उठाई और अपने देश को ब्रिटिशों से आजाद कराने की लड़ाई में शहीद हो गए।

असदुद्दीन ओवैसी
अध्यक्ष,AIMIM

इस FTA और ट्रेड डील से हमारे किसानों का कोई नुकसान नहीं होने वाला है। नुकसान आपके मनमोहन सिंह जी की सरकार के समय किसानों का हुआ था। कई ऐसे वैश्विक समझौते किए गए, जिनमें किसानों के हितों को बेच दिया गया था।

अमित शाह
गृहमंत्री

केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत मुश्किल है, क्योंकि पार्टी के नेता 'कम्युनिस्टों से ज्यादा एक-दूसरे से नफरत करते हैं।खेड़ा पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता नहीं हैं और पिछले दो वर्षों से लगातार उन पर आरोप लगाते रहे हैं।

मणिशंकर अय्यर
वरिष्ठ नेता,कांग्रेस

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुपके से कोरोना की वैक्सीन लगवाई थी। पहले विरोध करते रहे, फिर चुपके से लगवा आए। सपा सदस्यों की आपत्ति पर कहा-आप चाहेंगे तो हम फोटो भी उपलब्ध करवा सकते हैं। राहुल गांधी ने भी वैक्सीन लगवाई है।

केशव मौर्य
डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक व महाभंडारे में उमड़े भक्त

भिवंडी। टेमघर स्थित सिद्धिविनायक कॉम्प्लेक्स के श्री सिद्धिविनायक शिव मंदिर में सिद्धि नारायण ग्रुप की ओर से महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रुद्राभिषेक और महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 2500 महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। ग्रुप के मालिक नारायण मच्छा ने बताया कि शिवम डेवलपर्स के सागर मच्छा ने पत्नी पूजा सागर मच्छा व अन्य श्रद्धालुओं के साथ रात 9 से 12 बजे तक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया, जिसके बाद विधिवत शिव-पार्वती विवाह संपन्न हुआ। भक्तों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई और अगले दिन दोपहर 12 से 3 बजे तक महाभंडारा आयोजित हुआ। पूरा आयोजन नारायण मच्छा, मनोज गुज्जा, राकेश कुलकर्णी, मच्छा परिवार व सिद्धि नारायण परिवार की देखरेख में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पिछले 15 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। शहर के अन्य प्रमुख शिव मंदिरों में भी महाशिवरात्रि श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई।

अंबरनाथ के पालेगांव क्षेत्र में बस सेवा शुरू करने की मांग

अंबरनाथ। अंबरनाथ पूर्व के पालेगांव स्थित रिलायंस रेजिडेंसी सहित लगभग दो सौ आवासीय परिसरों में बड़ी संख्या में श्रमिक, अधिकारी और दुकानदार निवास करते हैं। इस क्षेत्र के हजारों निवासियों को प्रतिदिन काम के सिलसिले में उल्हासनगर, अंबरनाथ और कल्याण आने-जाने के लिए केवल ऑटो-रिक्शा पर निर्भर रहना पड़ता है। सार्वजनिक बस सेवा उपलब्ध न होने के कारण नागरिकों को न केवल भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें गंभीर मानसिक और शारीरिक असुविधा का भी सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद नागदेव पंडित के नेतृत्व में सैकड़ों निवासियों ने मनपा आयुक्त श्रीमती मनीषा अव्हाले और महापौर अश्विनी निकम को एक लिखित ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में भीमराव वाघमारे, भीका सोनवाने, उत्तम बंगले और रोशन पगारे जैसे कई गणमान्य नागरिक शामिल थे। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि पालेगांव क्षेत्र के लिए सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक उल्हासनगर परिवहन विभाग की बस सेवा तत्काल प्रभाव से शुरू की जाए। इस मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए परिवहन सेवा प्रबंधक विनोद केणी ने सकारात्मक संकेत दिए हैं।

फंड के अभाव में अधर में लटका वराला देवी तालाब का पुनर्विकास

- तालाब में जा रहे ड्रेनेज के पानी को दो जगह रोका, तीसरे का काम एक माह में होगा पूरा
- तालाब की सुरक्षा व जलापूर्ति विभाग खर्च कर रहा 25 लाख रुपया, लगाए जाएंगे बैरीकेड

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

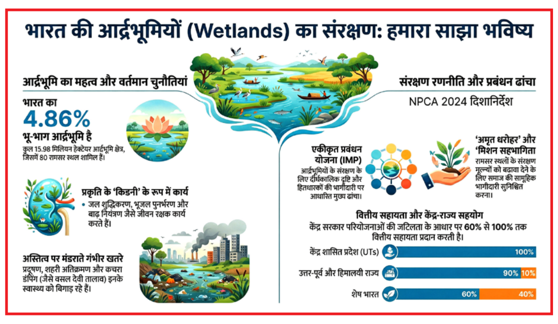

भिवंडी स्थित ऐतिहासिक वराला देवी तालाब को प्रदूषण मुक्त करने की प्रक्रिया फिलहाल सरकारी फंड की कमी के कारण अधर में लटकी हुई है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना के अंतर्गत तालाब के पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण हेतु 54 करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किया गया है, जो कई साल बीत जाने के बाद भी महानगरपालिका (मनपा) प्रशासन को प्राप्त नहीं हो सका है। इस बीच, मनपा के जलापूर्ति और ड्रेनेज विभाग ने दो स्थानों पर गंदे पानी को रोककर उसे ड्रेनेज लाइन से जोड़ दिया है। तीसरे स्थान पर गंदे पानी को रोकने का कार्य एक महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही, तालाब में नहाने और गाड़ियां धोने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के लिए चारों ओर बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि जल को स्वच्छ रखा जा सके।

गंदे पानी को रोकने के लिए युद्धस्तर पर कार्य

मनपा जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के अनुसार, तीन मुख्य रास्तों से ड्रेनेज का पानी तालाब में मिल रहा था। उन्होंने बताया कि दो जगहों के दूषित पानी को सफलतापूर्वक ड्रेनेज लाइन में डायवर्ट कर दिया गया है। तीसरे स्थान पर 25 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन का काम जारी है, जो एक महीने में पूरा हो जाएगा। घाटों पर कचरा फेंकने और गाड़ियां धोने से रोकने के लिए कड़े प्रबंध और बैरिकेडिंग की जा रही है। पटनावर ने विश्वास जताया कि इन कार्यों के पूरा होने के बाद बाहरी प्रदूषण पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी।

54 करोड़ की योजना: शासन स्तर पर मंजूरी का इंतजार

केंद्र सरकार की योजना के तहत मंजूर किए गए 54 करोड़ रुपये के फंड से तालाब का कायाकल्प होना है। हालांकि, डीपीआर शासन स्तर पर लंबित होने के कारण काम शुरू नहीं हो सका है। राज्य सरकार की पर्यावरण समिति ने 4 अगस्त 2025 को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। निधि प्राप्त होते ही तालाब के चारों ओर सुरक्षा दीवार और घाट का निर्माण किया जाएगा, साथ ही तालाब के भीतर जमा कीचड़ निकालकर उसे पूरी तरह स्वच्छ और पर्यटन के अनुकूल बनाया जाएगा।

130 एकड़ में फैला तालाब, एनजीटी ने लगाई है रोक

कामतघर क्षेत्र में स्थित 130 एकड़ का यह विशाल तालाब प्रतिदिन 5 एमएलडी (MLD) पेयजल की आपूर्ति करता है। हालांकि, लंबे समय से दूषित होने के कारण इसका पानी हरा हो गया है और बाउंड्री वॉल भी जर्जर होकर टूट चुकी है। तालाब के समीप स्थित फेना पाड़ा, भाग्यनगर और मानसरोवर जैसे क्षेत्रों का गंदा पानी सीधे तालाब में मिल रहा है। बाउंड्री वॉल न होने के कारण लोग यहाँ कपड़े धोने और गाड़ियां धोने का काम करते हैं, जिससे प्रदूषण चरम पर है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने 27 मार्च तक इस तालाब से पेयजल आपूर्ति पर रोक लगा दी है।

भिवंडी महापौर—उपमहापौर चुनाव

कड़ी सुरक्षा में दाखिल हुए नामांकन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में सोमवार (16 फरवरी 2026) को महापौर और उपमहापौर पद के लिए नामांकन प्रक्रिया दोपहर 3 बजे से 5 बजे के बीच शांतिपूर्ण लेकिन हाई वोल्टेज राजनीतिक माहौल में पूरी हुई। मनपा मुख्यालय के बाहर और भीतर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात रहा।

उपमहापौर पद के लिए 7 दावेदार

उपमहापौर पद के लिए भी 7 पार्षदों ने अपनी दावेदारी पेश की है। प्रमुख उम्मीदवारों में नाईक अस्मिता प्रभुदास (13-क), भगत वनिता सुनील (21-क), मोमीन तारिक अब्दुल बारी (9-अ), नकाते सुहास जालिंदर (18-ड), जावेद गुलाम मोहम्मद दळवी (6-ड) – जिन्होंने दो नामांकन दाखिल किए, शेख अरीब मोहम्मद याकूब (8-ड) और एडवोकेट मयुरेश विलास पाटील (1-क) शामिल हैं। नामांकन प्रक्रिया प्र. नगरसचिव अजय सिताराम पाटील की निगरानी में विधिवत संपन्न हुई। भिवंडी नगर निगम की मौजूदा राजनीतिक स्थिति बेहद दिलचस्प बनी हुई है, जहां किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं है। कांग्रेस के पास 30 नगरसेवक हैं, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के 12 सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी के 22 नगरसेवक और शिवसेना (शिंदे गुट) के 12 सदस्य सदन में मौजूद हैं।

कड़ी सुरक्षा में पहुंचे पूर्व महापौर विलास पाटिल

पूर्व महापौर विलास रघुनाथ पाटिल को विशेष पुलिस सुरक्षा के बीच मनपा मुख्यालय लाया गया। उन्होंने दोपहर 3:15 बजे महापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उनके प्रस्तावक नेहा नविन काठवले (प्रभाग 1-अ) और अनुमोदक नितेश नामदेव ऐनकर (प्रभाग 22-क) रहे। नामांकन के दौरान समर्थकों की हलचल देखी गई, हालांकि प्रशासन की सख्ती से स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

9 उम्मीदवारों ने ठोंकी चुनावी ताल

महापौर पद के लिए कुल 10 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं, जिनमें से 9 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रमुख उम्मीदवारों में एडवोकेट मयुरेश विलास पाटील (1-क), चौधरी बालाराम मधुकर (13-ड), म्हात्रे सुचिता रुपेश (13-ब), मोमीन तारिक अब्दुल बारी (9-अ), नारायण रतन चौधरी (23-क) – जिन्होंने दो प्रस्तावकों के साथ नामांकन दाखिल किया, पाटील स्नेहा मेहुल (16-क), जावेद गुलाम मोहम्मद दळवी (6-ड) और प्रतिभा विलास पाटील (1-ब) शामिल हैं। सभी उम्मीदवारों ने नियमानुसार प्रस्तावक और अनुमोदक के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने नामांकन पत्र जमा किए।

विश्व जल दिवस पर पानी में उतर कर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

- "एंटीलिया घाट" को ध्वस्त करने के आदेश के बाद नहीं हुई कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शहद क्षेत्र में उल्हास नदी पर विधायक निधि से बने कथित "एंटीलिया घाट" को अवैध घोषित कर ध्वस्त करने का आदेश राज्य सिंचाई विभाग ने एक वर्ष पहले दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज उल्हास-वालधुनी सरिता संरक्षण कार्यकर्ताओं ने 22 मार्च, विश्व जल दिवस पर नदी पात्र में धरना देने की चेतावनी दी है।

7 करोड़ से हुआ था निर्माण

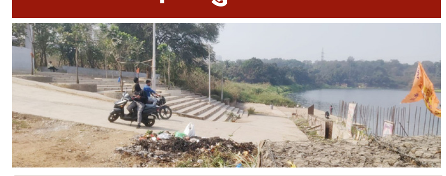

यह घाट लोक निर्माण विभाग के माध्यम से भाजपा विधायक कुमार ऐलानी के विधायक कोष से लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। रीजेंसी एंटिलिया हाउसिंग सोसाइटी के पीछे 2022 में गणपति विसर्जन के लिए घाट और नागरिकों के लिए पैदल मार्ग विकसित करने के उद्देश्य से कार्य शुरू किया गया था। सामाजिक कार्यकर्ता सरिता खानचंदानी ने सबसे पहले नदी किनारे पेड़ों की कथित अवैध कटाई को लेकर उल्हासनगर मनपा में शिकायत की। जवाब न मिलने पर उन्होंने सिंचाई विभाग और ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

22 मार्च को विरोध की चेतावनी

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि आदेश जारी हुए एक वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने अमल नहीं किया। वलधुनी बिरादरी के शशिकांत दयामा ने कहा कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो विश्व जल दिवस पर नदी किनारे विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मामले ने स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं और पर्यावरण नियमों के पालन को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

होली के मद्देनजर पश्चिम रेलवे ने किया विशेष ट्रेनों के फेरों में विस्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी होली के त्योहार पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने विभिन्न रूटों पर चलने वाली 8 जोड़ी विशेष ट्रेनों के परिचालन की अवधि को मार्च 2026 के अंत तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

ट्रेनों का विवरण

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल – इंदौर स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर – मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल – भिवानी स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी – मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09049 दादर – भुसावल स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09050 भुसावल – दादर स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09051 दादर – भुसावल स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09052 भुसावल – दादर स्पेशल को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस – भिवानी स्पेशल को 25 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09006 भिवानी – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09057 सूरत – मंगलुरु स्पेशल को 29 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु – सूरत स्पेशल को 30 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09211 गांधीग्राम – बोटाद स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09212 बोटाद – गांधीग्राम दैनिक स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09530 भावनगर – धोला स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09529 धोला – भावनगर स्पेशल को 31 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

पर्यावरण अभियान में भागीदारी की अपील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली संस्थाओं, कॉलेजों, गांवों और निजी स्कूलों से पर्यावरण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जनभागीदारी सुनिश्चित करना और इको-फ्रेंडली गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

दो चरणों में होगा आयोजन

यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण के लिए 25 मार्च 2026 तक और दूसरे चरण के लिए 20 अगस्त 2026 तक जानकारी ऑनलाइन जमा करनी होगी। परिणाम 7 सितंबर 2026 को इंटरनेशनल क्लीन एयर डे के अवसर पर घोषित किए जाएंगे।

विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिता

प्रतियोगिता चार समूहों में होगी। संस्थाओं के लिए मनपा स्तर, कॉलेजों के लिए जिला स्तर और स्थानीय व निजी स्कूलों के लिए वार्ड समिति स्तर पर आयोजन किया जाएगा। रील/डॉक्यूमेंट्री निर्माण और ग्रीन प्लेज दोनों श्रेणियों में भाग लेना अनिवार्य है। प्रत्येक चरण में कम से कम पांच विषयों पर वीडियो जमा करने होंगे। कॉलेजों को कम से कम 10 प्रतिशत या 200 'एनवायरनमेंटल एंबेसडर' चुनकर पर्यावरणीय गतिविधियां करनी होंगी, जबकि स्कूलों को एक से पांच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर जियो-टैग्ड तस्वीरें और सोशल मीडिया लिंक प्रस्तुत करने होंगे।

आकर्षक पुरस्कार और पंजीकरण प्रक्रिया

ग्रीन प्लेज का पंजीकरण राज्य सरकार की वेबसाइट पर ऑनलाइन करना होगा, जहां ULB में "ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन" का चयन आवश्यक है। प्लेज के अनुरूप कार्य पूर्ण करने पर अंक दिए जाएंगे। संस्था श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये, द्वितीय 75 हजार रुपये और तृतीय 50 हजार रुपये निर्धारित है, साथ ही सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। कॉलेज और स्कूल स्तर पर भी नकद पुरस्कार घोषित किए गए हैं। प्रतिभागियों को दोनों चरणों में अलग-अलग जानकारी ऑनलाइन जमा करनी होगी। स्कोरिंग सेल्फ-इवैल्यूएशन के आधार पर होगी और आवश्यकता पड़ने पर फिजिकल निरीक्षण के बाद अंतिम अंक तय किए जाएंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

वृष धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

मिथुन व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

सिंह व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

कन्या रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ

तुला ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा।

धनु भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है।

मकर पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

कुंभ पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

मीन भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएँ आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक तंगी रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा।

रुद्राभिषेक: शिव कृपा का दिव्य विज्ञान और जीवन के सभी दोषों को मिटाने वाला परम आध्यात्मिक रहस्य

प्रियंका जैन
9769994439

सनातन धर्म में भगवान शिव को केवल एक देवता नहीं, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड की चेतना का स्रोत माना गया है। वे ही सृष्टि के आरंभ, मध्य और अंत के मूल आधार हैं। शिव का स्वरूप निराकार भी है और साकार भी। वे परम शांति के प्रतीक भी हैं और महाविनाश के अधिपति भी। शिव की उपासना के अनेक मार्ग बताए गए हैं, परंतु उन सभी में रुद्राभिषेक को सर्वोच्च और अत्यंत प्रभावशाली साधना माना गया है। रुद्राभिषेक केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा दिव्य विज्ञान है जो साधक के जीवन से पाप, कष्ट, दोष और नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करके उसे आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाता है। यह वह साधना है जिसके माध्यम से मनुष्य सीधे भगवान शिव की चेतना से जुड़ सकता है और उनके आशीर्वाद को प्राप्त कर सकता है। रुद्राभिषेक शब्द दो भागों से मिलकर बना है—रुद्र और अभिषेक। रुद्र भगवान शिव का वह स्वरूप है जो सभी दुखों का नाश करता है, और अभिषेक का अर्थ है स्नान कराना या पवित्र जल या अन्य दिव्य पदार्थों से अर्पण करना। जब शिवलिंग पर वैदिक मंत्रों, विशेष रूप से रुद्र मंत्रों के उच्चारण के साथ जल, दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल और अन्य पवित्र पदार्थों से अभिषेक किया जाता है, तो उसे रुद्राभिषेक कहा जाता है। यह प्रक्रिया केवल बाहरी पूजा नहीं है, बल्कि यह साधक के भीतर की नकारात्मकता को धोकर उसकी आत्मा को शुद्ध करने का माध्यम भी है। शिवलिंग ब्रह्मांड की अनंत ऊर्जा का प्रतीक है, और जब उस पर अभिषेक किया जाता है, तो वह ऊर्जा साधक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। वेदों, उपनिषदों और पुराणों में रुद्राभिषेक का अत्यंत महत्व बताया गया है। ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद में रुद्र मंत्रों का विस्तृत वर्णन मिलता है, जिनके माध्यम से भगवान शिव की उपासना की जाती है। शास्त्रों के अनुसार, रुद्राभिषेक करने से साधक के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का प्रवेश होता है। यह माना जाता है कि भगवान शिव अत्यंत दयालु और शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं, इसलिए उन्हें आशुतोष कहा जाता है। वे अपने भक्तों की सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें उनकी इच्छानुसार फल प्रदान करते हैं। रुद्राभिषेक की उत्पत्ति से संबंधित एक अत्यंत पौराणिक और दिव्य कथा प्रचलित है। जब सृष्टि के आरंभ में भगवान विष्णु और ब्रह्मा के बीच यह विवाद हुआ कि उनमें से कौन श्रेष्ठ है, तब भगवान शिव एक अनंत अग्नि स्तंभ के रूप में प्रकट हुए। उस अग्नि स्तंभ का आदि और अंत दोनों ही ब्रह्मा और विष्णु नहीं खोज सके। तब उन्होंने अपनी हार स्वीकार की और उस अग्नि स्तंभ रूपी शिवलिंग का अभिषेक किया। उस समय भगवान शिव प्रकट हुए और उन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया। यही घटना रुद्राभिषेक की परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। इस कथा का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि शिव अनंत हैं, और उनकी उपासना से ही मनुष्य अहंकार से मुक्त होकर परम सत्य को प्राप्त कर सकता है।

ब्रीफ न्यूज

रोजगार योजना : भागलपुर में 4.97 लाख महिलाएं लाभांवित

भागलपुर। मुख्यमंत्री म हिला रोजगार योजना के तहत सोमवार को भागलपुर जिले की 61 हजार महिला लाभुकों के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से ट्रांसफर की गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जिले में अब तक कुल 4 लाख 97 हजार महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रारंभिक पूंजी उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। राशि मिलने के बाद लाभुक महिलाओं में उत्साह देखा गया। उन्होंने इस पहल के लिए राज्य सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। कुरसेला स्टेट हाट अग्निकांड में बेघर हुए 300 परिवार कटिहार। कुरसेला के स्टेट हाट में भीषण आग लगने से 300 से अधिक टीन व फूस की झोपड़ीनुमा दुकानें जलकर नष्ट हो गईं। इस अग्निकांड में कपड़ा, श्रृंगार, चाय-नाश्ता, मसाला, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, सब्जी और टेलरिंग से जुड़ा सामान पूरी तरह राख हो गया। प्रारंभिक आकलन में 10 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की देरी पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि पहले पहुंची छोटी दमकल गाड़ी का पानी जल्दी खत्म हो गया, जबकि बड़ी गाड़ी करीब 8:45 बजे पहुंची, तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। घटना से आक्रोशित दुकानदारों ने सोमवार सुबह एनएच-31 और स्टेट हाईवे-77 को जाम कर दिया। पीड़ितों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर मुआवजे की घोषणा और ठोस आश्वासन देने की मांग की। सूचना पर सदर एसडीएम प्रद्युम्न सिंह और डीएसपी रंजन सिंह ने स्थल का निरीक्षण किया। पीड़ितों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

बेटे की मौत के बाद माता-पिता ने लगाई फांसी

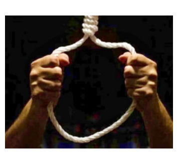

जांजगीर-चांपा। जनपद के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के धरदेई गांव में इकलौते बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद गहरे सदमे में डूबे दंपति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान रमाबाई पटेल (47) और कृष्णा पटेल (48) के रूप में हुई है। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने दोनों के शव घर के पास पेड़ से लटके देखे, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में बेटे की मौत से उपजे मानसिक आघात को कारण माना जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

2500000 महिलाओं के खाते में आए ₹2,500 करोड़

- मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दी गई सीधी सहायता
- रोजगार के लिए प्रत्येक महिलाओं को मिले दस-दस हजार रुपये

एजेंसी | पटना

बिहार सरकार ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और ठोस कदम उठाते हुए 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की दर से कुल 2,500 करोड़ रुपये की राशि प्रत्यक्ष रूप से स्थानांतरित की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया।

1.81 करोड़ महिलाएं लाभांवित

राज्य सरकार के मुताबिक, इस ताजा भुगतान के साथ योजना के तहत अब तक कुल 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को 18,100 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। इससे पहले 1 करोड़ 56 लाख महिला लाभुकों के खातों में 15,600 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई थी।

दो लाख की अतिरिक्त सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रारंभिक पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस सहायता से छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं। जो महिलाएं अपने उद्यम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाएंगी, उन्हें भविष्य में 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

2006 में शुरू हुई थी योजना

सीएम ने पात्र महिलाओं को भी चरणबद्ध तरीके से लाभ देने का आश्वासन दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तीकरण राज्य सरकार की दीर्घकालिक प्राथमिकता रही है। वर्ष 2006 में स्वयं सहायता समूहों के गठन की शुरुआत 'जीविका' कार्यक्रम के माध्यम से की गई थी, जिसने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आजीविका को मजबूत आधार दिया है।

'दोगुना रोजगार–दोगुनी आय' का लक्ष्य

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 से 2030 के लिए लागू 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत 'दोगुना रोजगार–दोगुनी आय' का लक्ष्य तय किया गया है। इसी लक्ष्य के अनुरूप मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को 10 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

पत्नी-बेटे की हत्या के बाद ट्रेन से कटकर दी जान

- रिटायर्ड फौजी के खौफनाक कदम से हर कोई हतप्रभ

एजेंसी | कानपुर।

जनपद के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर नई बस्ती में सोमवार को एक सेवानिवृत्त फौजी ने कथित रूप से पत्नी और नाबालिग बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी, इसके बाद रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

पारिवारिक विवाद और आर्थिक तनाव

संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) विपिन ताडा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद और आर्थिक तनाव की आशंका सामने आई है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए हैं और सीसीटीवी फुटेज व आसपास के लोगों के बयान के आधार पर घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला फौजी का शव

पुलिस के अनुसार, चेतराम कुमार (52) का शव सुबह बखरिया गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मिला। शिनाख्त के बाद पुलिस उनके घर पहुंची, जहां बाहर से ताला बंद मिला। दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर पत्नी सुनीता (40) और पुत्र दीप (16) के शव बरामद हुए। मौके से दो नाली बंदूक जब्त की गई है।

संभल में SOG की पूरी टीम निलंबित

कबाड़ी से अवैध वसूली के आरोप सही पाए गए

एजेंसी | संभल

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शिकायत की जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर एसओजी की पूरी टीम को निलंबित कर दिया है। कार्रवाई में प्रभारी सहित आठ पुलिसकर्मी शामिल हैं। मामले की जांच सीओ आलोक कुमार भाटी से कराई गई, जिसमें शिकायत सही पाई गई। निलंबित कर्मियों में एसआई मोहित चौधरी, हेड कांस्टेबल कुलवंत व अरशद तथा कांस्टेबल अजनबी, आयुष, विवेक, बृजेश और हिरेश शामिल हैं। एसपी ने एसओजी का नया प्रभारी बोबिंद्र शर्मा को नियुक्त किया है।

पहले 30 फिर 40 हजार मांगा

आरोप है कि 2 फरवरी की रात मुरादाबाद के बिलारी निवासी कबाड़ी जफरुद्दीन और उनके बेटे को मोबाइल प्लेट के कबाड़ के साथ रोके जाने के बाद 30 हजार रुपये की अवैध वसूली की गई और पिघलाकर निकाली गई धातु जब्त कर ली गई। बाद में धातु लौटाने के बदले 40 हजार रुपये की मांग का भी आरोप सामने आया।

UP की अदालतों को फिर मिली धमकी

- 18 जिलों के न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद चला तलाशी अभियान
- जांच के दौरान कुछ भी नहीं मिला संदिग्ध, बम निरोधक दस्ता व एटीएस सक्रिय

एजेंसी | लखनऊ

वाराणसी, लखनऊ, आजमगढ़ समेत प्रदेश के 18 जिलों के जिला न्यायालयों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया। सोमवार को सुबह आई धमकी के बाद डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्तों ने न्यायालय परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया, हालांकि कहीं भी विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। लखनऊ में वजीरगंज थाना क्षेत्र स्थित कचहरी परिसर की सभी प्रवेश-निकास बिंदुओं पर जांच की गई और सुरक्षा बढ़ाई गई। वाराणसी में जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर धमकी के बाद कचहरी खुलते ही पार्किंग, भवनों और प्रवेश द्वारों की गहन जांच की गई। आजमगढ़ में दीवानी न्यायालय परिसर को एहतियातन खाली कराकर तलाशी ली गई।

मेरठ, अलीगढ़, अमरोहा में भी जांच

मेरठ, अलीगढ़, अमरोहा सहित अन्य जिलों में भी इसी तरह की चेकिंग की गई। धमकी भरे ईमेल की जांच के लिए सुरक्षा एजेंसियां, एटीएस और यूपी एसटीएफ सक्रिय हैं। पुलिस ने नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है। आजमगढ़ के एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि दीवानी न्यायालय कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल पर दी गई। एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को तत्काल खाली कराया गया और मौजूद अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व फरियादियों को सुरक्षित स्थान से बाहर निकाला गया।

कुछ दिन पहले भी आई थी धमकी

उत्तर प्रदेश में इससे पहले भी कई बार न्यायालयों और सरकारी संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। बीते दिनों में लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ सहित अन्य जिलों के कचहरी परिसरों को ई-मेल और फोन कॉल के जरिए धमकियां दी गई थीं। हर बार बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और एटीएस की जांच में धमकियां अफवाह या शरारतपूर्ण हरकत निकलीं, लेकिन एहतियातन न्यायालय परिसरों को खाली कराकर सुरक्षा कड़ी की गई थी।

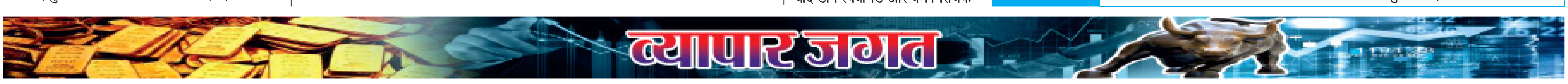

UPI: डिजिटल पेमेंट का सरताज

- सभी भुगतान माध्यमों में UPI की 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी
- 2021 से 2025 के बीच डिजिटल लेन-देन में करीब 11 गुना वृद्धि

एजेंसी | नई दिल्ली

नकद लेन-देन को पीछे छोड़ते हुए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) देश में भुगतान का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन गया है। हालांकि, गांवों और छोटे कस्बों में रुपे डेबिट कार्ड के उपयोग को बढ़ाने के लिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता बताई गई है। यह निष्कर्ष वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है।

57 फीसद लोगों की पहली पसंद

डीएफएस द्वारा 13–14 फरवरी को आयोजित चिंतन शिविर में जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 से 2025 के बीच डिजिटल लेन-देन में करीब 11 गुना वृद्धि दर्ज की गई है और कुल डिजिटल भुगतानों में यूपीआई की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो चुकी है। सर्वेक्षण में यूपीआई को 57 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने सबसे पसंदीदा माध्यम बताया, जबकि नकद लेन-देन का हिस्सा 38 प्रतिशत रहा।

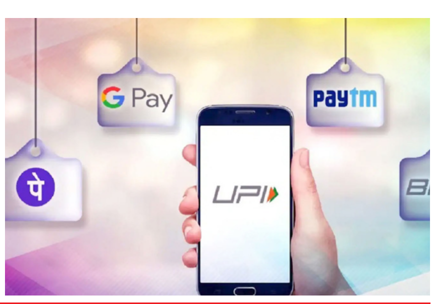

15 राज्यों में किया गया सर्वेक्षण

पोर्ट 15 राज्यों में किए गए प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें 10,378 उत्तरदाताओं—उपयोगकर्ता, व्यापारी और सेवा प्रदाता—शामिल थे। अध्ययन के अनुसार, 90 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं में यूपीआई और रुपे कार्ड के इस्तेमाल से डिजिटल भुगतान पर भरोसा बढ़ा है।

एक नजर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस

- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) देश में लेन-देन का सबसे पसंदीदा डिजिटल माध्यम बना।
- 2021 से 2025 के बीच डिजिटल भुगतान लेन-देन में लगभग 11 गुना वृद्धि दर्ज।
- कुल डिजिटल लेन-देन में UPI की हिस्सेदारी करीब 80% तक पहुंची।
- सर्वे में 57% उपयोगकर्ताओं ने UPI को प्राथमिक भुगतान माध्यम बताया, जबकि नकद का हिस्सा 38% रहा।
- अध्ययन 15 राज्यों के 10,378 उत्तरदाताओं पर आधारित रहा।
- ग्रामीण और छोटे कस्बों में रुपे डेबिट कार्ड के उपयोग को बढ़ाने के लिए लक्षित प्रयास जरूरी।

MCX पर लुढ़की चांदी, 2.35 लाख प्रति किलो बिकी

- चांदी में करीब 4% फिसलन, सोना एक प्रतिशत टूटा

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोमवार को कीमती धातुओं पर बिकवाली हावी रही। चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट पिछले सत्र के बंद स्तर से लगभग 4 प्रतिशत गिरकर 2,35,208 रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गया। दोपहर 12:30 बजे तक हल्की रिकवरी के बाद भाव 2,35,605 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करते दिखे, लेकिन समग्र रुख कमजोर बना रहा। सोने में भी नरमी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर सोना एक प्रतिशत से अधिक टूटकर 1,54,125 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक पहुंचा। बाद में सीमित सुधार के साथ दोपहर तक यह 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता रहा।

अंतरराष्ट्रीय दबाव हावी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दबाव नजर आया। स्पॉट गोल्ड 1.10 प्रतिशत गिरकर 4,988.04 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि अप्रैल डिलीवरी वाला यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,006.60 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा था। चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 3.2 प्रतिशत फिसलकर 74.50 डॉलर प्रति औंस दर्ज किया गया।

जनवरी में चार लाख थी कीमत

बाजार विश्लेषकों के अनुसार हालिया गिरावट में मुनाफावसूली और तकनीकी समायोजन प्रमुख कारण रहे हैं। जनवरी में चांदी ने 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर पार किया था, जिसके बाद से कीमतों में तीखा करेक्शन देखा गया है। मौजूदा सप्ताह में अमेरिकी महंगाई, जीडीपी और श्रम बाजार से जुड़े आंकड़े तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति संकेतों पर निवेशकों की नजर रहेगी। इन कारकों से बुलियन बाजार की दिशा तय होने की संभावना है।

थोक मुद्रास्फीति 1.81% पर, तीन माह से जारी है बढ़त

नई दिल्ली। देश में मूल्य दबाव थमने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। खुदरा महंगाई के बाद अब थोक स्तर पर भी कीमतों में लगातार तीसरे महीने तेजी दर्ज की गई है। जनवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 1.81 प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर के 0.83 प्रतिशत से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। यह बीते नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि कच्चे माल और धातुओं की कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो आने वाले महीनों में

बीते साल 2.51% थी मुद्रास्फीति दर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में डब्ल्यूपीआई महंगाई दर 1.81 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी महीने यह 2.51 प्रतिशत दर्ज की गई थी। मासिक आधार पर आई इस तेजी के पीछे खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य कच्चे माल और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में वृद्धि प्रमुख कारक रही।

लागत बढ़ने से मूल्य पर बढ़ा दबाव

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि बेसिक मेटल, अन्य विनिर्माण उत्पाद, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य पदार्थ और वस्त्र श्रेणी में कीमतों के उछाल ने थोक महंगाई को ऊपर धकेला। विशेष रूप से धातुओं और औद्योगिक इनपुट की लागत बढ़ने से उत्पादक स्तर पर मूल्य दबाव बढ़ा है। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर भी जनवरी में बढ़कर 2.75 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है।

स्नैपडील पर ₹5 लाख का जुर्माना

- बीआईएस मानकों का किया उल्लंघन, सीसीपीए की सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। अनिवार्य भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन के बिना खिलौनों की बिक्री को बढ़ावा देने के मामले में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील (ऐस वेक्टर लिमिटेड) पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने पाया कि प्लेटफॉर्म पर नॉन-बीआईएस कंप्लायंट खिलौनों की लिस्टिंग और प्रचार कर गलत व्यापार व्यवहार व भ्रामक विज्ञापन किए गए, जो उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।

खिलौनों के लिए बीआईएस प्रमाणन जरूरी

सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने बताया कि मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए अंतिम आदेश जारी किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के तहत 1 जनवरी 2021 से भारत में बिकने वाले सभी खिलौनों के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है

तीसरी तिमाही में पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन की मजबूत वित्तीय बढ़त

अहमदाबाद । पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड (पआईजीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का कंसोलिडेटेड राजस्व 48.89 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 34.14 करोड़ रुपये की तुलना में 43.18% अधिक है। ईबीआईटीडीए 4.47 करोड़ रुपये से बढ़कर 6.16 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शुद्ध लाभ 11.96% बढ़कर 3.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 26 के पहले नौ महीनों में कंपनी का कुल राजस्व 161.35 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 39.23% की वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि में शुद्ध लाभ 21.85% बढ़कर 10.91 करोड़ रुपये हो गया। स्टैंडअलोन आधार पर भी कंपनी ने संतोषजनक प्रदर्शन किया, जहां तीसरी तिमाही में राजस्व 44.82 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 3.28 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। ऑर्डर बुक के मोर्चे पर भी कंपनी को

POWER & INSTRUMENTATION (GUJ.) LTD
AN ISO 9001 : 2015 COMPANY

बड़ी सफलता मिली है। अजमेर विद्युत वितरण निगम से 102.78 करोड़ रुपये का टर्नकी इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट मिला है, जिसे 15 महीनों में पूरा किया जाएगा। इसके अलावा, एटीएस टेक्नो लिमिटेड से 21.39 करोड़ रुपये का औद्योगिक प्रोजेक्ट ऑर्डर भी प्राप्त हुआ है। कंपनी की सहायक इकाई को 11 केवी बस-डक्ट सिस्टम के लिए तकनीकी मंजूरी मिलने से भविष्य की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई ने कहा कि मजबूत एग्जीक्यूशन और लागत प्रबंधन कंपनी की निरंतर वृद्धि का आधार है।

सुपर-8 में अपनी जगह बनाना चाहेगी जिम्बाब्वे की टीम

एजेंसी । पल्लेकेले

टी-20 विश्व कप 2026 के 32वें मैच में आयरलैंड क्रिकेट टीम का सामना जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम से 17 फरवरी को पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में होगा। जिम्बाब्वे ने अपने शुरुआती 2 मैच जीते हैं और अपने अगले मैच को जीतकर सुपर-8 में पहुंचने की कोशिश करेंगे। दूसरी तरफ आयरिश टीम ने सिर्फ एक मुकाबला जीता हुआ है। पॉल स्टर्लिंग की कप्तानी वाली टीम जिम्बाब्वे के विजय रथ को रोकना चाहेगी।

अब तक आयरलैंड और जिम्बाब्वे की टीम कुल 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से दोनों टीमों ने 8-8 मैच जीते हैं। इस बीच 2 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं। अब तक ये दोनों टीमें टी-20 विश्व कप के इतिहास में सिर्फ 2 बार आपस में भिड़ी थी, जिसमें से एक मैच आयरलैंड ने जीता और एक मैच को जिम्बाब्वे ने अपने नाम किया है।

ऐसी हो सकती है आयरलैंड की टीम

आयरलैंड ने अपने पिछले मैच में ओमान को 96 रन से हराया था। उस मुकाबले में आयरिश टीम ने पहले खेलते हुए 235/5 का स्कोर बनाया था।

आयरलैंड की टीम एक बार फिर अपने बल्लेबाजों से उम्दा प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। संभावित एकादश : रॉस एडेयर, टिम टेक्टर, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर (कप्तान/विकेटकीपर), कर्टिस कैम्फर, जॉर्ज डॉकरेल, गैरेथ डेलानी, मार्क एडेयर, बैरी मैकार्थी, मैथ्यू हम्फ्रीज और जोशुआ लिटिल।

बराबरी का रहा है आपसी मुकाबला

कैसी है पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच?

पल्लेकेले स्टेडियम की पिच आमतौर पर काफी संतुलित मानी जाती है। यहां नई गेंद से गेंदबाजों को जरूर मदद मिलेगी। हालांकि, नजरें जमने के बाद बल्लेबाज बड़ी पारी खेल सकते हैं और बड़े-बड़े शॉट्स लगा सकते हैं। खेल के आगे बढ़ने के साथ पिच धीमी होती जाती है और स्पिनर्स को भी मदद मिलती है। हाउस्टेट के मुताबिक, यहां पहली पारी का औसत स्कोर 163 रन रहा है।

कैसा होगा मौसम?

एक्यूवेदर के अनुसार, 17 फरवरी को कैंडी में बादल छाए रहेंगे। यहां अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहने का अनुमान है। बारिश होने की 86 प्रतिशत संभावना है। ऐसे में मैच के दौरान बारिश का खलल पड़ सकता है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

- स्टर्लिंग की गैरमौजूदगी में आयरलैंड की कप्तानी करने वाले टकर शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने नाबाद के खिलाफ नाबाद 94 रन बनाए थे।
- जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज बेनेट ने अपनी पिछली 2 पारियों में 121.73 की स्ट्राइक रेट के साथ 112 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी जिम्बाब्वे की टीम

जिम्बाब्वे ने अपने पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए जोरदार जीत दर्ज की थी। इस जीत के बाद जिम्बाब्वे की टीम आत्मविश्वास से लबरेज होगी। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से आयरलैंड के खिलाफ मैच में अंतर पैदा करने का प्रयास करेंगे।

संभावित एकादश: ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), डियोन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, ग्रीम क्रेमर, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

इटली को 24 रन से हराकर 'सुपर-8' में पहुंचा इंग्लैंड

कोलकाता। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के 29वें मैच में इटली क्रिकेट टीम को 24 रन से हराते हुए सुपर-8 में प्रवेश किया। ईडन गार्डन स्टेडियम में हुए मुकाबले में इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 202/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इटली की टीम बेन मैनेंटी की पारी (60) के बावजूद 20 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड से फिल सॉल्ट (28), जैकब बेथेल (23), और टॉम बेंटन (30) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए आए विल जैक्स ने अर्धशतक (53*) लगाते हुए टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। जवाब में इटली से बेन मैनेंटी ने अर्धशतक (60) लगाया। उनके अलावा जस्टिन मोस्का (43) और ग्रांट स्टीवर्ट (45) ने भी उम्दा पारियां खेलीं, लेकिन जीत नहीं दिला सके।

जैक्स ने लगाया तेज अर्धशतक, बने प्लेयर ऑफ द मैच

जैक्स ने सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक लगाया और वह टी-20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन और जोस बटलर का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा। बता दें कि मोर्गन और बटलर ने 25-25 गेंदों में अर्धशतक लगाए थे। मोर्गन ने 2012 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पल्लेकेले में और बटलर ने 2021 में दुबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये तेज अर्धशतकीय पारियां खेलीं थी।

इंग्लैंड ने टी-20 विश्व कप में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया

इंग्लैंड ने टी-20 विश्व कप में अपना दूसरा दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। बता दें कि इंग्लिश टीम का इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्कोर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ (230/8, वानखेड़े) 2016 में आया है। लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली ने जब 22 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब बेन मानेंटी क्रीज पर आए। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर खबर ली और सिर्फ 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 25 गेंदों में 240.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली।

इस सूची में शुमार हुए मैनेंटी

क्रिकबज के मुताबिक, मैनेंटी अब टी-20 विश्व कप के इतिहास में सहयोगी देश के बल्लेबाज के तौर पर दूसरा सबसे तेज अर्धशतक (संयुक्त रूप से) जड़ने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने USA के एरॉन जोन्स (बनाम कनाडा, 2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की। बता दें कि नीदरलैंड के स्टीफन मायबर्ग ने 2014 में आयरलैंड के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

नेपाल के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी स्कॉटलैंड की टीम

मुंबई। टी-20 विश्व कप 2026 के 33वें मैच में मंगलवार को नेपाल क्रिकेट टीम का सामना स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम से होगा। नेपाल पिछले मैच में वेस्टइंडीज से मिली हार की निराशा को भुलाकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। इसी तरह स्कॉटलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार से सबक लेते हुए दूसरी जीत दर्ज करने का प्रयास चाहेगी। मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है। टी-20 प्रारूप में नेपाल और स्कॉटलैंड टीम का एक-दूसरे के खिलाफ बराबरी का मुकाबला रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक केवल 2 मुकाबले खेले गए हैं और दोनों ने एक-एक मुकाबला जीता है। ये दोनों मुकाबले ICC टूर्नामेंट का हिस्सा थे। दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला 20 जून, 2025 को खेला गया था, जिसमें स्कॉटिश टीम ने 34 रनों से जीत दर्ज की थी। ऐसे में नेपाल टीम पुरानी हार का बदला लेने का प्रयास करेगी।

कैसी हो सकती है नेपाल की प्लेइंग इलेवन?

नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी ने पिछले मुकाबले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में शानदार प्रदर्शन किया था। वह उसी फॉर्म को चौथे मैच में भी जारी रखना चाहेंगे। लोकेश बाम से भी ताबड़तोड़ पारी की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में संदीप लामिछाने शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे।

नेपाल की संभावित एकादश : कुशल भुर्तेल, आसिफ शेख (विकेटकीपर), रोहित पौडेल (कप्तान), दिपेंद्र सिंह ऐरी, आरिफ शेख, लोकेश बाम, गुलशन झा, सोमपाल कामी, करण केसी, नंदन यादव और संदीप लामिछाने।

पारस डोगरा का '10K' धमाका

रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 10,000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी भारत का प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट है। 1934 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई थी। अभी तक इस टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ एक ही बल्लेबाज के नाम 10000 से ज्यादा रन दर्ज था। 1996 से 2020 तक मुंबई और विदर्भ की टीम के लिए खेलने वाले वसीम जाफर ने टूर्नामेंट में 12038 रन बनाए थे। अब हिमाचल प्रदेश में जन्मे पारस डोगरा के भी रणजी ट्रॉफी में 10 हजार रन पूरे हो गए हैं। 41 साल के पारस डोगरा रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में जम्मू-कश्मीर की टीम का हिस्सा हैं। वह टीम की कप्तानी भी कर रहे हैं। सेमीफाइनल मैच में बंगाल के खिलाफ डोगरा ने रणजी ट्रॉफी करियर में अपने 10 हजार रन पूरे किए। अपनी पारी का 11वां रन बनाते ही वह 10000 रनों तक पहुंचे गए। अभी तक उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 146 मैच खेले हैं।

अफगानिस्तान की पहली जीत

यूएई को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने UAE को 5 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। UAE ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 160/9 का स्कोर बनाया। जवाब में अफगानिस्तान ने शुरुआती झटकों के बाद संयमित खेल दिखाते हुए 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। UAE की शुरुआत खराब रही और टीम ने 13 रन तक 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद अलीशान शराफू (40) और सोहेब खान (68) के बीच तीसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी हुई। अफगानिस्तान की ओर से इब्राहिम जादरान (53) और अजमतुल्लाह उमरजई (40*) ने जिम्मेदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। UAE के सोहेब खान ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया,

जो उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला अर्धशतक रहा। उन्होंने 48 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 68 रन बनाए। 5 मैचों में उनके अब 140 रन हो गए हैं।

बॉलीवुड

शाहरुख खान ने बताए परिवार के मायने

बॉलीवुड के जाने-माने स्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपनकमिंग फिल्म किंग को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। शाहरुख खान की फिल्म किंग को लेकर एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले शाहरुख खान की फिल्म किंग का धांसू टीजर रिलीज हुआ था, इसका बाद मेकर्स ने रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अब इन सब के बीच शाहरुख खान की एक इंटरव्यू सामने आ रहा है। इस इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी बोलते हुए नजर आए। तो चलिए जातने हैं शाहरुख खान ने इस दौरान क्या कहा। एक्टर शाहरुख खान एक बार फिर से खबरों में आ गए हैं। इसकी वजह कुछ और नहीं बल्कि एक्टर का एक इंटरव्यू है। इस इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान ने कई बड़े खुलासे किए। मीडिया से बातचीत में शाहरुख खान ने बताया कि उनकी जिंदगी के सबसे बड़े क्रिटिक कौन हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चे मेरे सबसे अच्छे क्रिटिक हैं। वो मुझे जमीन पर रखते हैं और याद दिलाते हैं कि असल में क्या मायने रखता है, चाहे जिंदगी कितनी भी व्यस्त क्यों न हो।' शाहरुख ने आगे कहा कि किसी इंसान की लिगेसी सिर्फ करियर की कामयाबी से नहीं बनती। लिगेसी वो मूल्य और यादें हैं जो वो अपने परिवार के साथ छोड़ जाता है। उन्होंने कहा, 'दोनों को बैलेंस करना मतलब पूरी तरह मौजूद रहना। मैं अपने काम और पैशन को पूरा करता हूं, लेकिन पिता होने की छोटी-छोटी खुशियों को कभी नहीं भूलता।' शाहरुख ने इंटरव्यू में कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मेरे बच्चे अपनी पसंद के काम कर रहे हैं और बहुत हिम्मत से खुद को दिखा रहे हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हमने साथ में इतना खास समय बिताया।'

शादी की खबरों के बीच रश्मिका-विजय फिर दिखे साथ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और अभिनेता विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि दोनों सितारों ने अब तक इन अटकलों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन फैंस को उम्मीद है कि जल्द ही यह जोड़ी खुशखबरी शेयर कर सकती है। हाल ही में दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी ने कैमरे में कैद किया। मास्क से चेहरा ढके होने के बावजूद उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसी बीच, विजय की तेलंगाना मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात करने की तस्वीरें ऑनलाइन सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मुलाकात संभावित शादी के निमंत्रण को लेकर हो सकती है। चर्चा है कि 26 फरवरी को उदयपुर में होने वाली कथित शादी के लिए अभिनेता ने मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया होगा। हालांकि इन खबरों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'ना जाने कौन आ गया' का टीज़र रिलीज

जतिन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीज़र रिलीज कर दिया गया है। 1 मिनट 10 सेकंड का यह टीज़र एक ऐसी अनकही प्रेम कहानी की झलक देता है, जिसमें जुनून, धोखा और बदले की आग साथ-साथ चलती है। आज के दौर में जहां प्यार को अक्सर परफेक्ट रूप में दिखाया जाता है, वहीं यह फिल्म रिश्तों के खतरनाक और जहरीले पहलुओं को सामने लाने की कोशिश करती नजर आती है। टीज़र की शुरुआत उत्तराखंड के खूबसूरत दृश्यों से होती है, जहां एक शायरी और संवाद, ₹कुछ सच जीने का हक छीन लेते हैं₹, कहानी के दर्द को रेखांकित करते हैं। जतिन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी एक इंटेंस लव ट्राएंगल में नजर आते हैं। टीज़र में पैशनेट लव सीन्स, इमोशनल ब्रेकडाउन और आक्रामक टकराव की झलक मिलती है। अंतिम दृश्य में माचिस की तीली से झूले को आग लगाते जतिन सरना का शॉट कहानी के बदले और टूटन के संकेत देता है।

अक्षय और शिल्पा के साथ रिश्तों पर बोलीं रवीना टंडन

90 के दशक में अक्षय कुमार और रवीना टंडन इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल हुआ करते थे। यही नहीं खबरें तो यहां तक हैं कि दोनों ने सगाई भी कर ली थी। लेकिन अंत में दोनों अलग हो गए। इसके बाद अक्षय का नाम शिल्पा शेट्टी से भी जोड़ा गया। इसी वजह से रवीना और शिल्पा के बीच भी तनातनी की खबरें आती रहीं। हालांकि, कई साल बाद अब अक्षय और रवीना आगामी फिल्म 'वेककम टू द जंगल' में साथ नजर आएंगे। वहीं रवीना का कहना है कि अब शिल्पा से भी उनके रिश्ते अच्छे हैं और सभी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। जूम के साथ बातचीत के दौरान रवीना टंडन ने अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के साथ अपने संबंधों पर बात की। साथ ही उन्होंने 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय के साथ काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया। शिल्पा शेट्टी के साथ अनबन पर रवीना ने कहा, 'कोई समस्या थी ही नहीं। मैं उस माहौल में नहीं थी। हम आज भी कई बातों पर हंसते हैं। सिर्फ शिल्पा और मैं ही नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि हम सब दोस्त बन गए। हम सब उस समय जवान थे। हम एक ही इंडस्ट्री में हैं, कौन इन सब चीजों से नहीं गुजरा, कौन लिंक-अप, ब्रेकअप, रिलेशनशिप से नहीं गुजरा? आज अक्षय और मैं दोस्त हैं। शिल्पा और मैं दोस्त हैं। हम सब दोस्त हैं। हम आगे बढ़ चुके हैं, अपने परिवारों के लिए बहुत खुश हैं।

अधिकारियों ने की गड़बड़ी
चुनाव आयोग सख्त

- चुनाव आयोग ने गंभीर कदाचार के आरोपी सात अधिकारियों को निलंबित किया
- मुख्य सचिव को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश
- सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे सभी निलंबित अधिकारी
- भाजपा-टीएमसी आमने सामने, लगाए एक दूसरे पर आरोप

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे सात अधिकारियों को निलंबित किया गया है। चुनाव आयोग ने गंभीर कदाचार के आरोपी इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। राज्य के मुख्य सचिव को अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश भी दिया गया है। दोषी पाए गए सभी अफसर एसआईआर प्रक्रिया में सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13सीसी के तहत यह कार्रवाई की है।

कहां से हटाए गए कितने अधिकारी?

निलंबित होने वाले अधिकारियों में तीन मुर्शिदाबाद जिले से, दो दक्षिण 24 परगना से और एक-एक पूर्व मेदिनीपुर और जलपाईगुड़ी से हैं। चुनाव आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया है कि वे इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत विभागीय जांच और कार्रवाई शुरू करें और इसकी जानकारी आयोग को दें।

सियासी हलचल तेज

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने एक फैसले से सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है। सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह पहली बार है जब चुनाव आयोग ने सीधे सजा देने के अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने इन अधिकारियों को गलत काम करने के लिए उकसाया था। अधिकारी ने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार ने इन लोगों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की, तो आयोग के पास इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी अधिकार है।

भाजपा नेता ने लगाए आरोप

भाजपा नेता के मुताबिक, इन अधिकारियों ने वेरिफिकेशन के दौरान फर्जी स्कूल सर्टिफिकेट, पैन कार्ड और नोटरी वाले हलफनामे स्वीकार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बड़े नेताओं के दबाव और मुख्य सचिव के इशारे पर फर्जी वोटरों के नाम जोड़ने के लिए यह सब किया गया। सुवेंदु ने यह भी कहा कि बंगाल में चुनाव आयोग से जुड़ी फाइलें मुख्य सचिव के दफ्तर के बजाय मुख्यमंत्री के पास भेजी जाती हैं, जो तय करती हैं कि क्या करना है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में ऐसा नहीं होता और प्रधानमंत्री भी चुनाव के दौरान ऐसा हस्तक्षेप नहीं करते।

तृणमूल कांग्रेस ने किया पलटवार

दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस ने इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। टीएमसी के आईटी सेल प्रमुख देबांग्शु भट्टाचार्य ने कहा कि इन अधिकारियों को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग के अनुचित दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग भाजपा शासित राज्यों से माइक्रो ऑब्जर्वर भेजकर वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोशिश कर रहा था। टीएमसी ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है।

निलंबित अधिकारियों की सूची

निलंबित अधिकारियों में डॉ. सफी उर्रहमान (एईआरओ, सहायक निदेशक, कृषि विभाग, 56-समसेरगंज विधानसभा क्षेत्र, मुर्शिदाबाद), नीतीश दास (राजस्व अधिकारी, फरक्का तथा 55-फरक्का विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ), डालिया रे चौधरी (एईआरओ, महिला विकास कार्यालय, मैनागुड़ी विकास खंड एवं 16-मैनागुड़ी विधानसभा क्षेत्र), एसके मुर्शिद आलम (एडीए, सूती ब्लॉक एवं 57-सूती विधानसभा क्षेत्र), सत्यजीत दास (संयुक्त बीडीओ एवं 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र), जॉयदीप कुंडू (एफईओ एवं 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र) और देबाशीष बिस्वास (संयुक्त बीडीओ एवं 229-डेबरा विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ) शामिल हैं।

कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाएगी : मणिशंकर अय्यर

शशि थरूर, जयराम रमेश, पवन खेड़ा का नाम लेकर मणिशंकर अय्यर ने फोड़ा सियासी बम

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की तारीफ करने और फिर से सीएम बनने का दावा करके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ चुके हैं। तिरुवनंतपुरम में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम विजयन की मौजूदगी उन्होंने कहा कि पिनरई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनके इस बयान के बाद सियासी भूचाल आ गया, जिसके बाद पार्टी नेताओं ने उनके इस बयान की आलोचना की। अय्यर के बयान के बाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश की प्रतिक्रिया आई। जिस पर अब मणिशंकर अय्यर ने तीखा पलटवार किया है। कांग्रेस नेता अय्यर ने पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए उनको कठपुतली करार दिया, साथ ही कहा कि वो पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता नहीं हैं।

पवन खेड़ा ने आखिर क्या कहा था?

दरअसल, केरल सीएम की तारीफ करने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पार्टी को अय्यन के बयान से अलग किया। उन्होंने कहा कि अय्यर पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस से जुड़े नहीं हैं।

'पवन खेड़ा तो बस एक कठपुतली हैं'

न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा प्रवक्ता नहीं बल्कि एक तोता है। राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथी दलों के साथ कांग्रेस के गठबंधन पर बात करते हुए अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा से बेहतर उम्मीदवार कांग्रेस प्रवक्ता के पद के लिए मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप पवन खेड़ा को संदेश भेजें। उन्होंने दिल्ली में एमए बेबी के साथ गठबंधन किया है और यहां पिनरई विजयन के साथ मेरे गठबंधन से उन्हें परेशानी हो रही है। ये किस तरह के कांग्रेसी हैं?

न्यूज़ ब्रीफ

करीमनगर में भाजपा ने मेयर और डिप्टी मेयर का पद जीता

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षदों कोलागनी श्रीनिवास और वाई सुनील राव सोमवार को करीमनगर नगर निगम में क्रमशः महापौर और उप महापौर चुने गए। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने कहा कि करीमनगर नगर निगम में महापौर और उप महापौर पदों के लिए उसके उम्मीदवार चुने गए हैं। राव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि करीमनगर नगर निगम में भाजपा के सत्ता में आने के साथ हम शहर को विकसित तेलंगाना - विकसित भारत की ओर बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। करीमनगर के कुल 66 वार्ड में से भाजपा नगर निगम चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जिसने 30 वार्ड जीते जबकि कांग्रेस, बीआरएस, एआईएमआईएम, एआईएफबी (ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक) और निर्दलीय उम्मीदवारों ने क्रमशः 14, 9, 3, 3 और 7 वार्ड जीते। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार करीमनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।

मणिपुर में दो महिला उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप में अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ी दो महिला उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (कोइरेंग) संगठन की सदस्य 29 वर्षीय सनसम ओंगबी शांतिकुमारी देवी को पूर्वी इंफाल जिले के नोंगपोक इंगखोल इलाके से पकड़ा गया। वहीं, कंगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा) संगठन की सदस्य 19 वर्षीय मुटुम जोशिका चानू पश्चिमी इंफाल जिले में उसके घर से पकड़ा गया।

राजस्थान में अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग, सात मजदूरों की मौत

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी कस्बे में सोमवार को पटाखा बनाने वाली एक अवैध फैक्ट्री में आग लगने से सात मजदूरों की मौत हो गई। फैक्ट्री में 20 से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगते ही कई मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे। घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और गृहमंत्री अमित शाह ने दुख व्यक्त किया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित्रा पारीक ने बताया, 'फैक्ट्री में फंसे दो लोगों को निकालकर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी हालत गंभीर है।' फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जयपुर में कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

संजय भंडारी की संपत्तियां जब्त करने संबंधी फैसला 28 को

एजेंसी । नई दिल्ली

राउज एवेन्यू कोर्ट ने हथियार डीलर संजय भंडारी की संपत्तियों को जब्त करने संबंधी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर फैसला टाल दिया है। अब इस मामले में 28 फरवरी को सुनवाई होगी। विशेष जज संजय जिंदल की अदालत ने फैसला तैयार न होने के कारण इसे स्थगित किया। इससे पहले 31 जनवरी को कोर्ट ने ईडी की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। भंडारी को पिछले वर्ष भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। ईडी ने अदालत को बताया कि भारत के बाहर स्थित संपत्तियों की जब्ती के लिए भी आवश्यक पत्राचार किया जाएगा।

विदेशों की भी संपत्तियां शामिल

ईडी के अनुसार, जब्ती की यह प्रक्रिया उन आरोपियों के खिलाफ निवारक कदम है, जो जांच और मुकदमे से बचने के लिए देश छोड़ देते हैं। एजेंसी ने बताया कि भंडारी की संपत्तियों की सूची में भारत के साथ-साथ दुबई और ब्रिटेन में स्थित संपत्तियां भी शामिल हैं। पांच जुलाई 2025 को विशेष अदालत ने भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित किया था। यह मामला आयकर प्रकरण में कथित तौर पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित विदेशी संपत्तियों से जुड़ा है।

भूपेन बोरा का यू-टर्न

- भूपेन बोरा ने नाराजगी जताते हुए पहले इस्तीफा दिया
- हाईकमान के दखल के बाद फिर फैसला वापस लिया
- सीएम सरमा ने दिया था भाजपा ज्वाइन करने का ऑफर

एजेंसी । गुवाहाटी

असम की राजनीति में आज एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों के भीतर अपना फैसला वापस ले लिया। दिन की शुरुआत में इस्तीफा और शाम तक वापसी ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इस पूरे घटनाक्रम को असम कांग्रेस के अंदर चल रही खींचतान और नेतृत्व स्तर पर सक्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया गया कि भूपेन बोरा ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को भेजा था। इस्तीफे में उन्होंने खुद को नजरअंदाज किए जाने और सम्मान नहीं मिलने की बात उठाई थी।

नेताओं की दौड़ और घर पर बैठकों का दौर

इस्तीफे की खबर सामने आते ही गुवाहाटी स्थित बोरा के आवास पर कांग्रेस नेताओं का पहुंचना शुरू हो गया। प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई समेत कई वरिष्ठ नेता और सहयोगी दलों के प्रतिनिधि उनसे मिले। पूरे दिन बैठकें चलीं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक बोरा को संगठन में अहम जिम्मेदारी देने का भरोसा दिया गया। इसके बाद उन्होंने साफ किया कि वह पार्टी में बने रहेंगे और संगठन के लिए काम जारी रखेंगे। इस तेज घटनाक्रम ने दिखाया

भाजपा ने बोला हमला, कांग्रेस पर गंभीर आरोप

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस पूरे मामले पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बोरा का इस्तीफा कांग्रेस की अंदरूनी हालत का संकेत है। सरमा ने बयान दिया कि बोरा कांग्रेस के ऐसे आखिरी बड़े हिंदू नेता थे जो न विधायक थे, न मंत्री। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में आम परिवार से आने वाले नेता आगे नहीं बढ़ पाते। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बोरा ने भाजपा में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क नहीं किया।

इस्तीफे के सियासी मायने समझें

भूपेन बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे और उन्हें संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का श्रेय दिया जाता है। उनके इस्तीफे और वापसी से साफ है कि पार्टी के भीतर असंतोष तो है, लेकिन फिलहाल टूट टल गई है। सरमा ने दावा किया कि आने वाले समय में कांग्रेस के कुछ विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। वहीं कांग्रेस खेमे का कहना है कि संगठन एकजुट है। विधानसभा चुनाव से पहले यह घटनाक्रम असम की सियासत में बड़ा संकेत माना जा रहा है।

'शादी से पहले किसी पर भरोसा न करें'

- लिव-इन रिलेशनशिप में रेप पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने झूठे शादी के वादे पर दुष्कर्म के आरोप से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि शादी से पहले लड़का और लड़की "पूरी तरह अजनबी" होते हैं, इसलिए विवाह पूर्व शारीरिक संबंधों को लेकर सतर्कता जरूरी है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आरोपी पर आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर महिला के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

'प्रथम दृष्टया सहमति का संबंध'

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया संबंध सहमति से प्रतीत होता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की कि भले ही विचार पुराने लगें, लेकिन शादी से पहले किसी पर आंख बंद कर भरोसा नहीं करना चाहिए। अदालत ने दोनों पक्षों को समझदारी और सावधानी बरतने की सलाह दी।

दुबई ले जाकर वीडियो बनाने का आरोप

महिला के वकील ने अदालत को बताया कि दोनों की मुलाकात 2022 में एक वैवाहिक वेबसाइट पर हुई थी। आरोप है कि आरोपी ने दिल्ली में कई बार और बाद में दुबई में शादी का झूठा वादा कर संबंध बनाए। महिला का दावा है कि दुबई में उसकी आपत्तिजनक वीडियो बिना सहमति के रिकॉर्ड की गई और उसे वायरल करने की धमकी दी गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी पहले से विवाहित था और जनवरी 2024 में पंजाब में दूसरी शादी कर चुका है। आरोपी की जमानत याचिका पहले निचली अदालत और दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा खारिज की जा चुकी है।

यौन उत्पीड़न मामले में एसआईटी के सामने पेश हुए ममकूटाथिल

- हाई कोर्ट ने कुछ शर्तों पर दे रखी है अग्रिम जमानत

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल यौन उत्पीड़न के कथित मामलों की जांच कर रही विशेष जांच समिति के समक्ष सोमवार को पेश हुए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, समिति उनसे पहले दर्ज मामले में पूछताछ कर रही है। इस मामले में उन पर एक महिला से दुष्कर्म करने और बाद में उसे गर्भपात के लिए मजबूर करने का आरोप है। केरल उच्च न्यायालय ने 12 फरवरी को उन्हें इस प्रकरण में अग्रिम जमानत प्रदान की थी और जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था। निर्देशानुसार वह पेरूकाडा स्थित पुलिस क्लब में पूछताछ के लिए पहुंचे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिर खोले गए बंद 14 पर्यटन स्थल

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश के 14 पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया। ये स्थल पिछले वर्ष अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद एहतियातन बंद कर दिए गए थे। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मृत्यु हुई थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि सुरक्षा की गहन समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद कश्मीर और जम्मू संभागों में अस्थायी रूप से बंद किए गए अतिरिक्त पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया है।

अब तक 26 स्थल दोबारा खोले गए

इन 14 स्थलों के खुलने के साथ ही अब तक पुनः प्रारंभ किए गए पर्यटन स्थलों की कुल संख्या 26 हो गई है। इससे पहले 26 सितंबर को 12 स्थलों को खोलने का आदेश दिया गया था। कश्मीर संभाग में कोकरनाग का यूसमर्ग, दूधपथरी, दांडीपुरा पार्क, शोपियां में पीर की गली, दुबजान और पदपावन, श्रीनगर में अस्तनपोरा, ट्यूलिप उद्यान, थजवास हिमनद, गांदेरबल का हंग पार्क तथा बारामुला के वुलर और वाटलाब को तत्काल प्रभाव से खोला जाएगा।

इस्राइली महिला से सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन को मौत की सजा

एजेंसी । कोप्पल

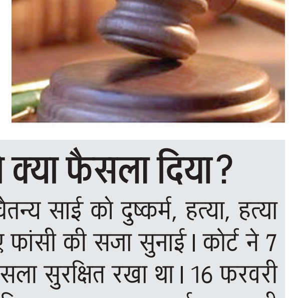

कर्नाटक के कोप्पल जिले में इस्राइली महिला से दुष्कर्म और एक युवक की हत्या के सनापुर कांड में अदालत ने बड़ा और सख्त फैसला सुनाया है। गंगावती की सिविल अदालत ने तीन दोषियों को मौत की सजा दी है। इस फैसले के बाद यह मामला फिर चर्चा में आ गया है, जिसने पिछले साल पर्यटन क्षेत्र और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे।

क्या है पूरा मामला और अदालत ने क्या फैसला दिया?

अदालत ने मल्लेश उर्फ हांडी मल्ला, शरणबसवा और चैतन्य साई को दुष्कर्म, हत्या, हत्या की कोशिश, लूट और जबरन वसूली का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई। कोर्ट ने 7 फरवरी को तीनों को दोषी ठहराया था और सजा पर फैसला सुरक्षित रखा था। 16 फरवरी को सजा का ऐलान किया गया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक यह अपराध 6 मार्च 2025 की रात सनापुर इलाके में हुआ था।

सबरीमाला मंदिर महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नौ जजों की पीठ गठित, सात अप्रैल से होगी सुनवाई

- 14 मार्च तक सभी पक्ष लिखित दलीलें जमा करेंगे
- 22 अप्रैल तक इन दलीलों पर पूरी होगी सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की 9-न्यायाधीशों की बेंच 7 अप्रैल से धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के भेदभाव के मामलों पर सुनवाई शुरू करेगी। इस मामले में प्रमुख रूप से केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें 14 मार्च तक जमा करें। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करते हैं। बेंच में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

सुनवाई से पहले बढ़ी सियासी हलचल

यह मुद्दा इसलिए फिर सामने आया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सोमवार को 2018 के फैसले से जुड़े रिव्यू और रिट याचिकाओं पर विचार करने वाला है। उस फैसले में हर उम्र की महिलाओं को भगवान अयप्पा के मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सरकार को अदालत में जाने से पहले जनता को अपना रुख साफ-साफ बताना चाहिए। उनका आरोप है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक असमंजस की स्थिति में है।

विपक्ष का सवाल

नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री विजयन से पूछा कि क्या सरकार अब भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने पुराने हलफनामे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार महिलाओं के प्रवेश के पक्ष में है तो उसे मजबूती से अदालत में यही बात रखनी चाहिए। अगर नहीं है तो हलफनामा वापस लिया जाए। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी कहा कि पूरे केरल में सरकार से साफ रुख की मांग हो रही है ।